मंगलवार, 7 जुलाई 2026

मौसम

तापमान	27 – 30
आर्द्रता	81%
सूर्योदयः 04:57	सूर्यास्तः 18:25

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, आषाढ़ कृष्णपक्ष सप्तमी, वि.स. 2083, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

मानसून का कहर: महाराष्ट्र और हिमाचल में चार लोगों की मौत, ओडिशा में अलर्ट पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : नियमों को अच्छी तरह जान लो, ताकि तुम उन्हें प्रभावी ढंग से तोड़ सको।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

भाजपा चुनाव के वादे पूरे कर रही है, शुभेंदु के नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' आकार ले रहा है : अमित शाह

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी गृह मंत्री अमित शाह को श्यामा प्रसाद मुखर्जी का चित्र प्रदान कर स्वागत करते हुए

कोलकाता : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा कर रही है, जिसमें समान नागरिक संहिता (यूसीसी)की दिशा में कदम उठाना, घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई और अपराध रोकने के लिए कड़े उपाय करना शामिल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' का दृष्टिकोण साकार हो रहा है। शाह ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)सरकार की नीतिगत पहलों को दिवंगत नेता की वैचारिक विरासत का विस्तार बताया। उन्होंने नागरिकता, राष्ट्रीय एकता, कानून-व्यवस्था और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों को मुखर्जी के विचारों से जोड़ा। केंद्रीय गृह मंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 फुट ऊंची प्रतिमा की आधारशिला रखी। उन्होंने इस अवसर पर घोषणा की कि पश्चिम बंगाल में यूसीसी लागू करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत अर्हता रखने वाले शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को दो-हराया। शाह ने कहा, ''हम बंगाल चुनाव के दौरान अपने 'संकल्प पत्र' में किए गए वादों को पूरा कर रहे हैं।'' राज्य की भाजपा सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' बनाने का संकल्प पूरा होगा।'' शाह ने मुखर्जी की राजनीतिक विरासत का ज़िक्र करते हुए इस मौके को भावुक करने वाला बताया और कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री के योगदान को दशकों तक जान-बूझकर नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा, ''गत 63 सालों से कोशिश की जा रही है कि हम श्यामा प्रसाद मुखर्जी और उनके योगदान को भुला दें।'' शाह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गृह राज्य में 125 फुट ऊंची प्रतिमा लगाना उन्हें उचित श्रद्धांजलि होगी, जिनके विचार आज ''देश के बड़े हिस्से में शासन-व्यवस्था को आकार दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज उनकी 125वीं जयंती के मौके पर पश्चिम बंगाल में उनकी 125 फुट ऊंची प्रतिमा की आधारशिला रखी गई, जो उनकी स्थायी विरासत के प्रति एक श्रद्धांजलि है।'' भाजपा की वैचारिक विरासत को रेखांकित करते हुए शाह ने कहा कि मुखर्जी द्वारा शुरू किया गया राजनीतिक आंदोलन एक मामूली ताकत से बढ़कर देश की प्रमुख राजनीतिक धारा बन गया है। उन्होंने कहा, ''डॉ. मुखर्जी द्वारा स्थापित जनसंघ आज देश के दो-तिहाई से ज्यादा भौगोलिक क्षेत्र और आबादी में उनकी नीतियों के अनुसार भाजपा के रूप में काम कर रहा है।'' शाह ने इस अवसर पर बंगाल की भाजपा सरकार की नीतियों को रेखांकित करते हुए कहा, ''राज्य में यूसीसी लागू करने का रास्ता साफ करने के लिए एक समिति गठित की गई है।''

न्यू टाउन में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 फुट ऊंची प्रतिमा के भूमि पूजन में गृह मंत्री अमित शाह के साथ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, मंत्री निशिथ प्रमाणिक एवं प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य शमिक भट्टाचार्य

अनुच्छेद 370 को हटाने से श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ : प्रधानमंत्री मोदी

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने से भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ है। साथ ही, प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि उनकी विचारधारा और सिद्धांत आज भी भाजपा के शासन के एजेंडे को आकार दे रहे हैं और नए भारत का मार्गदर्शन कर रहे हैं। मुखर्जी की 125वीं जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए, मोदी ने उन्हें दूरदर्शी, देशभक्त और राष्ट्रीय एकता का समर्थक बताया। साथ ही, उन्होंने जनसंघ के संस्थापक के राजनीतिक संघर्षों और भाजपा के कई अहम नीतिगत फैसलों, जिनमें जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करना भी शामिल है, के बीच सीधा वैचारिक संबंध भी बताया। मोदी ने कहा, आज देश की धरती, पश्चिम बंगाल की धरती, अपने एक महान सपूत, एक महान देशभक्त, भारत की अखंडता के लिए समर्पित एक युगदृष्टा का श्रद्धा-पूर्वक स्मरण कर रही है। उन्होंने राष्ट्रवादी नेता की विरासत के सम्मान के लिये पश्चिम बंगाल में नवगठित भाजपा सरकार की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने कड़े राजनीतिक संदेश वाले अपने बयान में भारतीय जनता पार्टी के कई अहम वैचारिक पड़ावों को मुखर्जी की सोच से जोड़ा, खासकर अगस्त 2019 में केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर का विशेष संवैधानिक दर्जा खत्म करने के फैसले को। मोदी ने कहा, अनुच्छेद 370 को हटाकर हमने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा किया है।

नीरव मोदी अंतिम कानूनी लड़ाई हारा, भारत आने का रास्ता साफ

नई दिल्ली : भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी का भारत आने का रास्ता साफ हो गया है। वह अपनी आखिरी कानूनी लड़ाई भी यूरोपियन कोर्ट में हार गए हैं। यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स यानी ईसीएचआर में अपील के तौर पर उनकी आखिरी उम्मीदें भी धराशायी हो गईं। जानकारी के मुताबिक, नीरव मोदी से जुड़े दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है कि उनके पास अब भारत न आने के सारे रास्ते खत्म हो चुके हैं। यूके की सरकार भी उनके प्रत्यार्पण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उनके सभी कानूनी रास्ते खत्म हो चुके हैं। अब कुछ प्रशासनिक औपचारिकताएं रह गई हैं।

बंगाल में तीन राज्यसभा सीटों के लिए 24 जुलाई को होगा उप-चुनाव

नयी दिल्ली/कोलकाता : पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए 24 जुलाई को उप-चुनाव होगा। ये सीटें तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों के इस्तीफे के कारण खाली हुई हैं। इस उपचुनाव में भाजपा के तीनों सीटें जीतने की संभावना है। तृणमूल के जिन तीन राज्यसभा सदस्यों ने इस्तीफा दिया था, उनमें सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाइक शामिल है। इन तीनों ने जून में अलग-अलग तिथियों पर इस्तीफा दिया था। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, आगामी 24 जुलाई को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान और उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना कराने का फैसला किया है। इस पूरी चुनावी प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत 7 जुलाई को अधिसूचना जारी होने के साथ ही हो जाएगी। उपचुनाव में चुने जाने वाले नए सांसद अपने-अपने पूर्ववर्तियों के शेष कार्यकाल के लिए निर्वाचित होंगे।

बारुईपुर में नाबालिग से कथित दुष्कर्म व हत्या

सिर पर वार कर नाबालिग को जीवित अवस्था में तालाब में फेंका गया

एनसीडब्ल्यू ने डीजीपी से मांगी कार्रवाई रिपोर्ट

प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने यौन उत्पीड़न, गंभीर चोटों की पुष्टि

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में एक तालाब से बोरे में मिले 11 वर्षीय नाबालिग के शव की प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोट, यौन उत्पीड़न तथा जीवित अवस्था में पानी में फेंके जाने के संकेत मिले हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट में लड़की के निजी अंगों पर चोट के निशान पाए गए हैं। इसके अलावा, उसके शरीर के विभिन्न हिस्सों पर खरोंच और काटने के निशान भी मिले हैं। अधिकारी ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि लड़की के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया गया था या उसका सिर किसी कठोर सतह पर जोर से पटका गया था। रिपोर्ट से पता चला कि तालाब में फेंके जाते समय लड़की ज़िंदा थी। जांच के दौरान उसके फेफड़ों और पेट में पानी मिला। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच एक अहम मोड़ पर है। हम सभी सबूतों की जांच कर रहे हैं। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट की पुष्टि जांच के दौरान इकट्ठा की गई अन्य जानकारियों से की जा रही है। पृष्ठ 3

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बारुईपुर थाने में तैनात केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान

'आरोपियों को मिलेगी मौत की सजा', आज बारुईपुर जाएंगे मुख्यमंत्री शुभेंदु

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य प्रशासन यह पक्का करने के लिए हरसंभव कोशिश करेगा कि मामले के आरोपियों को कड़ी यहां तक कि मौत की सजा मिले। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही घिनौनी घटना है। सरकार परिवार की इच्छा के अनुसार काम करने की व्यवस्था कर रही है। कोशिश होगी कि आरोपियों को जल्द दोषी ठहराकर मौत की सजा दिलाई जाए। घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रही हिंसक भीड़ द्वारा एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मॉब लिंचिंग के पीछे सांप्रदायिक पहलू था। उन्होंने कहा कि मैं अभी और जानकारी नहीं दूंगा। विरोध प्रदर्शन के नाम पर जिस तरह से रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाया गया, वह 2019 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध और हाल ही में वक्फ संशोधन बिल के विरोध जैसी पुरानी घटनाओं की याद दिलाता है। उन्होंने यह भी बताया कि विरोध प्रदर्शन में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के दो जवान घायल हो गए, जबकि पुलिस की एक गाड़ी को आग के हवाले कर दिया गया। आज मुख्यमंत्री बारुईपुर जाएंगे तथा पीड़िता के स्वजन से बात करेंगे।

मणिपुर: उग्रवादियों की गोलीबारी में असम राइफल्स के दो जवानों की मौत, कई घायल

इंफाल/नयी दिल्ली : मणिपुर के उखरुल जिले में सोमवार को संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवानों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब 1.30 बजे पहाड़ी जिले के नुंगशांग खोंग इलाके में हुई, जब संदिग्ध उग्रवादियों ने अर्द्धसैनिक बल के काफिले पर घात लगाकर गोलीबारी कर दी। उन्होंने बताया, ''मारे गए जवानों में एक वारंट ऑफिसर और एक ड्राइवर हैं। उनकी मौत मौके पर ही हो गई। यह घटना उखरुल पुलिस थाना क्षेत्र में, जिला मुख्यालय से लगभग 17 किलोमीटर दूर नुंगशांग खोंग इलाके में हुई, जब काफिला सांगशाक में 40वीं असम राइफल्स बटालियन मुख्यालय लौट रहा था।''

साझेदारी को और गति देने के लिए इंडोनेशियाई राष्ट्रपति से बातचीत करूंगा: प्रधानमंत्री मोदी

जकार्ता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह अलग-अलग क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गति देने के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बातचीत करेंगे। मोदी ने तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में इंडोनेशिया पहुंचने के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर यह बात कही। इस यात्रा का उद्देश्य भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति, 'महासागर' दृष्टिकोण और एक स्वतंत्र, मुक्त एवं समावेशी हिंद-प्रशांत के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करना है। विशेष सद्भावना के तहत हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत इंडोनेशियाई राष्ट्रपति सुबियांतो ने किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की अगवानी के लिए चार मंत्री भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी का इस दौरान पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया और उन्होंने सलामी गारद का निरीक्षण किया। मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''जकार्ता पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो द्वारा मेरा स्वागत किए जाने की सद्भावना से मैं बहुत प्रभावित हूं।'' वर्ष 2018 में संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाए जाने के बाद से इंडोनेशिया की यह मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। होटल पहुंचने पर प्रधानमंत्री ने रामायण और भरतनाट्यम सहित कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखीं।

पीएम मोदी का जकार्ता में भव्य स्वागत, रामायण से बुद्ध तक दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किये

अगला महामंत्री नियुक्त होने तक कृष्ण मोहन अंतरिम महामंत्री का पद संभालेंगे

अयोध्या : श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर के चढ़ावे में कथित गबन की जांच जारी रहने के बीच सोमवार को यहां एक बैठक के दौरान अपने महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिये। ट्रस्ट के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में अंतरिम व्यवस्था के तौर पर सदस्य कृष्ण मोहन को महासचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपने का भी निर्णय लिया गया। गिरि ने मंदिर के दान पेटियों से कथित चोरी को ट्रस्ट के लिए ''गहरे दर्द और शर्मिंदगी'' का विषय बताया एवं कहा कि इस विवाद ने सदियों के लंबे संघर्ष और अनगिनत बलिदानों के बाद बने मंदिर पर ग्रहण लगा दिया है। गिरि ने कहा कि राय ने स्वेच्छा से पद छोड़ दिया है क्योंकि उनका मानना है कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता तब तक महासचिव पद पर बने रहना उचित नहीं है।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सीईओ चयन करने के लिए तीन सदस्यीय समिति की घोषणा की

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों के चयन करने के लिए तीन सदस्यीय समिति की घोषणा की। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''हमने न्यायाधीश (सेवानृवित) प्रदीप कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी और सुरेश हवारे (श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष) की तीन सदस्यीय समिति नियुक्त की। यह समिति उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी और हमें चुनने के लिए तीन नाम देगी।''

राम मंदिर चढ़ावा गिनती में नकदी छिपाने की कई घटनाएं सामने आईं : एसआईटी

राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और गबन के मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच में पाया है कि चढ़ावे की गिनती के दौरान कर्मचारियों द्वारा कई बार नकदी छिपाने के कथित मामले सामने आए हैं। एसआईटी ने सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली में भी गंभीर खामियों की ओर संकेत किया है। एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दी गई है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट न्यासियों के समक्ष पढ़ी गई, लेकिन उस पर कोई चर्चा या बहस नहीं हुई। उन्होंने यह भी कहा कि एसआईटी की जांच अभी जारी है।

हटाएं सड़क किनारे पड़ी दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन-प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है- सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती।

दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल-स्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत शृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है। देश की शीर्ष अदालत ने भी बार-बार कहा है कि जब्त गाड़ियों को अनिश्चित समय के लिये सड़कों पर सड़ने के लिये नहीं छोड़ा जा सकता। सड़क सुरक्षा के मायने सिर्फ ट्रैफिक नियमों को लागू करवाना या संरचना को बेहतर बनाना ही नहीं है। वास्तव में लोगों की जान बचाने के लिये दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सार्वजनिक स्थानों से हटाना भी एक बुनियादी प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिरस्थाई विरासत: संस्थाएं, विचार और राष्ट्र निर्माण

गजेंद्र सिंह शेखावत

इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है। राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता।

स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी।

उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों। उनकी राय थी कि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के वृहत्तर कार्य से अलग नहीं किया जा सकता।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रति उनका समर्पण विश्वविद्यालयों के परिसर से कहीं आगे बढ़कर था। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की कोर्ट और काउंसिल के सदस्य के तौर पर, उन्होंने भारत के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों में से एक को मज़बूत बनाने में योगदान दिया। 1947 में, उन्होंने 'डिपार्टमेंट ऑफ़ पावर इंजीनियरिंग' की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली-भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत ज़रूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विकास ही देश की दीर्घकालिक मज़बूती तय करेंगे।

स्वतंत्रता के बाद, जब डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तब इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप दिया गया। उन शुरुआती सालों में, नए नए आज़ाद देश के सामने एक औद्योगिक आधार तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स और सिंदरी फर्टिलाइज़र फैक्ट्री जैसे संस्थान सिर्फ़ मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के तौर पर नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प के प्रतीक के तौर पर स्थापित किए गए थे। डॉ. मुखर्जी के लिए, औद्योगीकरण कभी भी अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं था; यह राष्ट्रीय क्षमता और सामूहिक आत्मविश्वास में किया गया एक निवेश था।

हालाँकि, किसी भी संस्थान के निर्माण के लिए केवल भौतिक अवसंरचना या प्रशासनिक कुशलता की ही ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए सहानुभूति, जन-सेवा और नैतिक ज़िम्मेदारी की भावना की भी आवश्यकता होती है। डॉ. मुखर्जी में इन गुणों की झलक 1943 के बंगाल अकाल के दौरान ही साफ़ तौर पर दिखाई दी थी, जब उन्होंने बीसवीं सदी की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत कार्य करने में खुद को समर्पित कर दिया था। विभाजन के बाद, उन्होंने विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। वे समझते थे कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण में संस्थानों को फिर से खड़ा करने के साथ-साथ लोगों के दुख दर्द को कम करना और उस पर मरहम लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। 'महाबोधि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया' के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई। सभ्यतागत कूटनीति के स्थायी महत्व को समझते हुए, बुद्ध के मुख्य शिष्यों-अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायन-के पवित्र अवशेषों का भारत में स्वागत करने में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आज भी, मंगोलिया जैसे देशों के साथ इन पवित्र अवशेषों को साझा करने की भारत की कोशिशें यह दिखाती हैं कि किस तरह सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मज़बूत करती है और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा बनाती है।

साहित्य और विद्वता के प्रति भी उनकी चिंता उतनी ही स्पष्ट थी। उनके पत्रों से पता चलता है कि उन्होंने प्रसिद्ध कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम की उनके व्यक्तिगत संकट के समय किस तरह मदद की थी। ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि सार्वजनिक नेतृत्व को केवल बड़े नीतिगत फैसलों से ही नहीं, बल्कि उदारता के उन शांत और मौन कार्यों से भी आंका जाता है, जिन पर शायद ही कभी लोगों का ध्यान जाता है।

डॉ. मुखर्जी ने संस्थागत निर्माण के इसी दृष्टिकोण को संविधान सभा में भी आगे बढ़ाया। संविधान के निर्माण को एक बड़ी जिम्मेदारी और एक गंभीर और पवित्र विश्वास के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने संवैधानिक शासन के साथ जुड़ी नैतिक ज़िम्मेदारियों पर ज़ोर दिया। उनके वे शब्द आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। संविधान की ताकत अंततः न केवल उसके लिखित प्रावधानों पर, बल्कि संसद की शुचिता, सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करती है। संवैधानिक लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब संस्थाओं पर जनता का भरोसा हो और वे ईमानदारी से काम करें।

जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच हमें एक ज़रूरी बात याद दिलाती है। सिर्फ़ आर्थिक विकास से ही देश की तरक्की तय नहीं होती। संवहनीय विकास के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और लोगों का भरोसा जगाने वाले संस्थानों में लगातार निवेश की ज़रूरत होती है।

सड़कें, हवाई अड्डे और कारखाने बेहद जरूरी हैं, लेकिन उतने ही जरूरी वे विश्वविद्यालय भी हैं जो जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं, वे प्रयोगशालाएँ जो ज्ञान का विस्तार करती हैं, वे संग्रहालय जो विरासत को संजोते हैं और वे सार्वजनिक संस्थान जो संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, वे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

संस्थाओं में एक अद्भुत गुण होता है: वे सरकारों, राजनीतिक आंदोलनों और यहाँ तक कि कई पीढ़ियों से भी ज़्यादा समय तक बनी रहती हैं। वे संचित ज्ञान को संजोकर रखती हैं, बदलाव के बीच निरंतरता बनाए रखती हैं और समाज को दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। नेता इतिहास को आकार दे सकते हैं, लेकिन संस्थाएं सभ्यता को जीवित रखती हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सार्वजनिक जीवन का सबसे अहम सबक यही है। उनकी विरासत केवल उन पदों तक सीमित नहीं है जो उन्होंने संभाले या उन बहसों में भी नहीं है जिनमें उन्होंने हिस्सा लिया, बल्कि यह उनके उस अटूट विश्वास में निहित है कि मजबूत संस्थान ही किसी राष्ट्र की आकांक्षाओं के सच्चे संरक्षक होते हैं।

जैसे-जैसे भारत अपनी विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, ज्ञान, वैज्ञानिक चेतना, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत करना ही उनके प्रति सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

-लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं

जनसुरक्षा सर्वोपरि: पश्चिम बंगाल का नया विधेयक समय की आवश्यकता

डॉ. त्रिलोक नाथ पांडेय

लोकतंत्र केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन से चलता है। जब समाज में कानून का भय समाप्त होने लगता है, संगठित अपराध सामान्य जीवन को प्रभावित करने लगते हैं, सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुँचाई जाती है, सरकारी कर्मचारियों और पुलिस पर हमले बढ़ते हैं तथा आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगता है, तब राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। इसी संदर्भ में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रस्तुत जनसुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधि नियंत्रण विधेयक एक महत्त्वपूर्ण और समयोचित पहल के रूप में देखा जा सकता है।

इस विधेयक का मूल उद्देश्य किसी विशेष व्यक्ति या विचारधारा को निशाना बनाना नहीं, बल्कि उन संगठित और हिंसक प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना है जो समाज की शांति और विकास में बाधक बनती हैं। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान आवश्यक है, किंतु हिंसा, तोड़फोड़, भय और अराजकता को कभी भी लोकतांत्रिक अधिकारों का पर्याय नहीं माना जा सकता।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो किसी भी सरकार की सफलता केवल चुनाव जीतने से नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की क्षमता से आँकी जाती है। निवेश, उद्योग, पर्यटन और रोजगार वहीं विकसित होते हैं जहाँ स्थिरता और सुरक्षा का वातावरण हो। यदि अपराधी संगठित होकर राज्य की व्यवस्था को चुनौती दें और शासन केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई करता रहे, तो शासन की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है। यह विधेयक सरकार को केवल दंड देने का नहीं, बल्कि अपराध को होने से पहले रोकने का अवसर प्रदान करता है। एक सक्षम और निर्णायक शासन नागरिकों में विश्वास पैदा करता है कि राज्य उनकी सुरक्षा के प्रति गंभीर है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से मानव व्यवहार का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है कि व्यक्ति अपने कार्यों के संभावित परिणामों का आकलन करता है। जब अपराधी को यह विश्वास हो जाए कि गिरफ्तारी के बाद शीघ्र ही वह बाहर आ जाएगा या कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर सकता है, तब अपराध करने का उसका साहस बढ़ जाता है। इसके विपरीत यदि उसे यह स्पष्ट संदेश मिले कि कानून कठोर है और समाज-विरोधी गतिविधियों के गंभीर परिणाम होंगे, तो अपराध करने की प्रवृत्ति पर स्वाभाविक अंकुश लगता है। अपराधशास्त्र में इसे प्रतिरोधात्मक प्रभाव (ऊर्शींशीीशपलश एषषशलीं) कहा जाता है। कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि अपराध को हतोत्साहित करना भी होता है।

मानव स्वभाव भी यही बताता है कि अनुशासन और स्वतंत्रता दोनों का संतुलन आवश्यक है। पूर्ण स्वतंत्रता यदि उत्तरदायित्व से रहित हो जाए तो वह अराजकता का रूप ले सकती है। परिवार में माता-पिता के नियम, विद्यालय में अनुशासन और समाज में कानून-ये सभी व्यक्ति की स्वतंत्रता को समाप्त करने के लिए नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए होते हैं। यही सिद्धांत राज्य व्यवस्था पर भी लागू होता है। जब कुछ लोग अपनी स्वतंत्रता का दुरुपयोग करके दूसरों की स्वतंत्रता छीनने लगते हैं, तब कानून को हस्तक्षेप करना ही पड़ता है।

सामाजिक दृष्टि से यह विधेयक विशेष महत्त्व रखता है। किसी भी दंगे, हिंसा या संगठित अपराध का सबसे अधिक नुकसान गरीब, मजदूर, छोटे दुकानदार, रिक्शा चालक, दैनिक वेतनभोगी और सामान्य परिवारों को उठाना पड़ता है। जिनकी दुकानें जलती हैं, जिनके वाहन तोड़े जाते हैं, जिनका रोजगार रुक जाता है, वे अक्सर समाज के सबसे कमजोर वर्ग होते हैं। सार्वजनिक संपत्ति का विनाश भी अंततः जनता के कर से ही पूरा किया जाता है। इसलिए हिंसा और तोड़फोड़ को रोकना केवल कानून का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है।

आर्थिक दृष्टि से भी इस प्रकार का कानून राज्य के विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है। कोई भी उद्योगपति या निवेशक ऐसे प्रदेश में निवेश नहीं करना चाहता जहाँ कानून-व्यवस्था अस्थिर हो। सुरक्षित वातावरण निवेश को आकर्षित करता है, निवेश रोजगार उत्पन्न करता है और रोजगार सामाजिक समृद्धि का आधार बनता है। इस प्रकार कठोर कानून केवल अपराध नियंत्रण का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति का भी माध्यम बन सकता है।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि भारत के अनेक राज्यों में संगठित अपराध और सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित विशेष कानून पहले से लागू हैं। यदि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप पश्चिम बंगाल भी अपने कानूनी ढाँचे को सशक्त बनाना चाहता है, तो इसे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के सामान्य विकास के रूप में देखा जाना चाहिए। समय के साथ अपराध के स्वरूप बदलते हैं; इसलिए कानूनों का अद्यतन होना भी स्वाभाविक है।

निस्संदेह, किसी भी शक्तिशाली कानून के साथ उत्तरदायित्व भी उतना ही आवश्यक है। इसका निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधानसम्मत उपयोग होना चाहिए। न्यायिक समीक्षा, प्रशासनिक जवाबदेही और नागरिक अधिकारों का सम्मान किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला हैं। यदि इन सिद्धांतों का पालन किया जाए, तो कठोर कानून नागरिकों की स्वतंत्रता के विरोधी नहीं, बल्कि उसके संरक्षक सिद्ध होते हैं।

अंततः किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपराधियों के प्रति कितना उदार है, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने कानून का पालन करने वाले नागरिकों की सुरक्षा कितनी प्रभावी ढंग से करता है। एक भयमुक्त समाज, सुरक्षित नागरिक, संरक्षित सार्वजनिक संपत्ति और उत्तरदायी शासन-यही किसी भी लोकतांत्रिक राज्य का आदर्श है। यदि यह विधेयक इन उद्देश्यों की पूर्ति करता है और इसका क्रियान्वयन निष्पक्ष एवं संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर होता है, तो इसे पश्चिम बंगाल के लिए एक दूरदर्शी और जनहितकारी कदम माना जा सकता है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री के रूप में अमजद हुसैन ने शपथ ली

इस्लामाबाद : पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता अमजद हुसैन ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के तथाकथित मुख्यमंत्री के रूप में सोमवार को शपथ ली।

पेशे से वकील हुसैन 22 जून को इस पद के लिए निर्वाचित हुए थे। उनकी पार्टी ने 24 निर्वाचन क्षेत्रों में हुए चुनाव में 12 सीटें जीतकर तथाकथित विधानसभा में सबसे बड़े दल के रूप में उभरने में सफलता हासिल की थी। इससे पहले पीपीपी ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के समर्थन से सरकार बनाने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में पीएमएल-एन ने विपक्ष में बैठने का फैसला किया। तथाकथित विधानसभा में कुल 33 सीटें हैं। इनमें से 24 सदस्यों के चुनाव के लिए सात जून को प्रत्यक्ष मतदान कराया गया था, जबकि आठ सीटें महिलाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और पेशेवरों के लिए आरक्षित हैं। भारत ने तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के चुनावों को लेकर पाकिस्तान के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया था और दोहराया था कि यह क्षेत्र भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिसपर पाकिस्तान ने 'अवैध रूप से और बलपूर्वक' कब्जा कर रखा है। भारत ने अपना पूर्व घोषित रुख दोहराते हुए कहा था कि वर्ष 1947 में जम्मू-कश्मीर के भारत में 'पूर्ण, वैध और अपरिवर्तनीय विलय' के परिणामस्वरूप जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संपूर्ण केंद्रशासित प्रदेश, जिनमें तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत के अभिन्न और अविच्छेद्य अंग हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 7 जुलाई, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, आषाढ़ कृष्णपक्ष सप्तमी, 13:20 तक, नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 16:09 तक, योग : शोभना, 14:24 तक, सूर्योदय: 04:57, सूर्यास्त: 18:25, चन्द्रोदय : 23:46, चन्द्रास्त: 11:48, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मिथुन, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 15:38 से 17:17

राशिफल

मेष : आज का दिन आपको धैर्य और समझदारी का पाठ पढ़ाने वाला है। घर-परिवार में किसी बात को लेकर माताजी की नाराज़गी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष : आज खुशियां आपके दरवाजे पर दस्तक देने वाली हैं। संतान की कोई उपलब्धि आपके चेहरे पर गर्व भरी मुस्कान ला सकती है। परीक्षा का परिणाम भी उम्मीद के मुताबिक आने के संकेत दे रहा है।

मिथुन : आज आपकी सूझबूझ और निर्णय क्षमता आपको दूसरों से एक कदम आगे रखेगी। प्रेम, सहयोग और अपनापन आपके व्यवहार में झलकेगा, जिससे रिश्तों में नई मिठास आएगी।

कर्क : आज का दिन संतोष और सुकून लेकर आने वाला है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और उसकी सफलता आपको गर्व का अनुभव कराएगी।

सिंह : विद्यार्थियों के लिए आज का दिन राहत की सांस लेकर आया है। पढ़ाई का दबाव कम महसूस होगा और मन हल्का रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है।

कन्या : आज का दिन आनंद, उल्लास और छोटी-छोटी खुशियों से भरा रहेगा। किसी पुरानी गलती को सुधारने के लिए आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है, लेकिन परिणाम संतोषजनक रहेगा।

तुला : आज आपको अपनी आय और खर्च के बीच सही संतुलन बनाने की जरूरत होगी। सहयोगी के साथ जरूरत से ज्यादा निजी बातें साझा करना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए खुशियों और उपलब्धियों की सौगात लेकर आया है। धन और समृद्धि में वृद्धि के योग बन रहे हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

धनु : आज आर्थिक मामलों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। धन और समृद्धि के नए रास्ते खुलते दिखाई दे रहे हैं। पिताजी की सलाह आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं होगी।

मकर : आज आपका मन समाज सेवा और परोपकार के कार्यों में अधिक लगेगा। किसी विवाद में पड़ने से बचें और अपनी ऊर्जा सकारात्मक कामों में लगाएं।

कुम्भ : आज कोई खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान बिखेर सकती है। नई नौकरी या करियर से जुड़ा अवसर मिलने के संकेत हैं। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन : आज का दिन सामान्य से बेहतर रहेगा, लेकिन सतर्कता बनाए रखना जरूरी होगा। किसी अनजान व्यक्ति पर जल्द भरोसा करना नुकसान पहुंचा सकता है।

विदेश

हमास ने संरा समर्थित समिति को सत्ता सौंपने के लिए गाज़ा में अपनी सरकार भंग की

दीर अल-बहाल (गाजा पट्टी) : हमास उग्रवादी गुट ने सोमवार को कहा कि उसने गाजा में अपनी सरकार भंग कर दी है और अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्ष-विराम समझौते के तहत संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक तकनीकी समिति को सत्ता सौंपने की तैयारी कर रहा है। हमास ने यह नहीं बताया कि क्या वह हथियार छोड़ने या सुरक्षा की जिम्मेदारी किसी अंतरराष्ट्रीय बल को सौंपने जैसा अहम कदम उठाने की योजना बना रहा है, लेकिन उसने अपने इस फैसले को वर्षों की लड़ाई के बाद गाज़ा के पुनर्निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सबूत बताया। यह साफ नहीं है कि निचले स्तर के अधिकारी द्वारा घोषित इस कदम से जमीनी स्तर पर कोई सार्थक बदलाव आएगा या नहीं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली नयी संस्था 'बोर्ड ऑफ पीस' को गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। उसने कहा कि उसे हमास की घोषणा के बारे में पता है, लेकिन वह इसके असर का आकलन वादों के आधार पर नहीं, बल्कि कार्यों के आधार पर करेगी। बोर्ड ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा कि युद्धविराम समझौते के मुताबिक, गाजा में सभी हथियारों पर तकनीकी विशेषज्ञों वाली समिति का नियंत्रण होना चाहिए। हमास द्वारा संचालित सरकारी मीडिया कार्यालय के महानिदेशक इस्माइल अल-थवाबता ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि फलस्तीनी इलाके के रोजमर्रा के कामकाज के लिए सिर्फ़ तकनीकी और पेशेवर कर्मचारी ही अपनी जगहों पर बने रहेंगे। दीर अल-बलाह में अल-अक्सा अस्पताल के परिसर में अल-थवाबता ने कहा, सेवा देने का काम करने वाले सभी कर्मचारी सरकारी कर्मचारी हैं और वे 'गाज़ा प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति' के तहत काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

श्रीलंका में भारत के सहयोग से बनने वाले 10,000 आवासों की परियोजना की आधारशिला रखी गई

कोलंबो : श्रीलंका के बदुल्ला जिले में भारत की सहायता से बनाए जाने वाले 10,000 आवासों की परियोजना के तहत सोमवार को आधारशिला रखी गई। भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'अठारह अरब रुपये से अधिक की अनुदान सहायता से भारतीय आवास परियोजना के चौथे चरण के तहत बदुल्ला के 'कैनावरेला प्लांटेशन एस्टेट' में 57 नए आवासों की आधारशिला रखी गई है।' उच्चायोग ने बताया कि इस परियोजना के तहत श्रीलंका के छह प्रांतों में बागान क्षेत्रों के समुदायों के लिए 10,000 से अधिक आवास बनाए जाएंगे।

हमास ने संरा समर्थित समिति को सत्ता सौंपने के लिए गाज़ा में अपनी सरकार भंग की

दीर अल-बहाल (गाजा पट्टी) : हमास उग्रवादी गुट ने सोमवार को कहा कि उसने गाजा में अपनी सरकार भंग कर दी है और अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्ष-विराम समझौते के तहत संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक तकनीकी समिति को सत्ता सौंपने की तैयारी कर रहा है। हमास ने यह नहीं बताया कि क्या वह हथियार छोड़ने या सुरक्षा की जिम्मेदारी किसी अंतरराष्ट्रीय बल को सौंपने जैसा अहम कदम उठाने की योजना बना रहा है, लेकिन उसने अपने इस फैसले को वर्षों की लड़ाई के बाद गाज़ा के पुनर्निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सबूत बताया। यह साफ नहीं है कि निचले स्तर के अधिकारी द्वारा घोषित इस कदम से जमीनी स्तर पर कोई सार्थक बदलाव आएगा या नहीं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली नयी संस्था 'बोर्ड ऑफ पीस' को गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। उसने कहा कि उसे हमास की घोषणा के बारे में पता है, लेकिन वह इसके असर का आकलन वादों के आधार पर नहीं, बल्कि कार्यों के आधार पर करेगी। बोर्ड ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा कि युद्धविराम समझौते के मुताबिक, गाजा में सभी हथियारों पर तकनीकी विशेषज्ञों वाली समिति का नियंत्रण होना चाहिए।

वर्ग पहेली नं. 3485

1	■	2		3	■	4	■	5	6
	■		■	7			8	■	
9	10		■		■	11		12	
13		■	14			■	15		■
■	16	17		■	■	18	■	19	
20				■	21		22		■
	■	■	23			■		■	24
25		26	■	■	27				
	■	28				■		■	

बायें से दायें:- 2) तिथि, 5) जेब, 7) चौंतरा, 9) नमूना, 11) फ़ौज; छावनी, 13) दाना; कण, 14) मौत को धोखा देना, 15) सीलन, 16) गंभीर; अमिट; गहराईयुक्त, 19) बाज़ी, 20) स्वार्थ; अर्थ, 21) बेक़द्री; मानभंग, 23) मुग्ध होना; प्रेम करना, 25) कपड़े का बना डेरा, 27) यात्रावृत्तांत, 28) बंदूक में रखकर चलाई जानेवाला धातु.

ऊपर से नीचे:- 1) घड़ी घड़ी, 2) हँसी-मज़ाक, 3) हुजूम; जनाकीर्णता; भाड़भाड़, 4) शीशी, 6) आदरपूर्वक, 8) खाने-पीने का सामान, 10) अप्रशिक्षित; नौसिखिया, 12) छूट; दलाली, 14) जयपराजयहीनता, 17) उत्तर; समाधान, 18) एक लंबा सरीसृप, 20) भारत का एक घटक राज्य, 21) संयोगवश, 22) सहानुभूति, 24) फ़िल्टर करना, 26) सगाई; तिलक.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

दि	ठौ	ना	■	■	पा	रि	तो	षि	क
गं	■	च	ह	क	ना	■	ड़	■	स
ब	क	ना	■	स	■	ब	ना	ठ	ना
र	मा	■	अ	र	विं	द	■	स	■
■	ल	च	र	■	■	ल	ट	क	ना
अ	■	■	मा	शू	का	ना	■	■	का
प	रे	शा	न	■	बु	■	क	र्द	म
रा	ह	■	■	बा	ल	बा	ल	■	या
ध	न	कु	बे	र	■	■	श	रा	बी

सुडोकू-पहेली-3451

	2	8		6				
		7		4		5	6	
				1	7	8	4	
6		5			2		7	
8					6		5	4
2			4		3			
5			6			4	1	
			5			9		8
	8	3	7		4			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3450 का उत्तर

8	9	2	1	6	7	3	4	5
7	6	5	3	4	2	8	1	9
4	3	1	8	9	5	7	6	2
9	5	4	6	8	1	2	7	3
6	2	7	5	3	4	9	8	1
3	1	8	7	2	9	4	5	6
1	4	9	2	7	6	5	3	8
5	7	3	9	1	8	6	2	4
2	8	6	4	5	3	1	9	7

अमित शाह ने भवानीपुर स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आवास पर दी श्रद्धांजलि

कोलकाता, समाज्ञा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कोलकाता के भवानीपुर इलाके में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आवास पर जाकर जनसंघ के संस्थापक को उनकी 125वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। अमित शाह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, मंत्रियों और भाजपा विधायकों के साथ शहर के न्यू टाउन इलाके में मुखर्जी की 125 फुट ऊंची प्रतिमा की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जनसंघ संस्थापक के आवास पर पहुंचे। मुखर्जी के आवास पर, शाह ने उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत करने से पहले उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

अमित शाह ने बांग्ला फिल्मों के सुपरस्टार प्रसनजीत चटर्जी के घर जाकर की मुलाकात

जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के कार्यक्रमों में शामिल होने कोलकाता आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को शहर के बालीगंज इलाके में बांग्ला फिल्मों के सुपरस्टार प्रसनजीत चटर्जी के घर जाकर उनसे मुलाकात की। बंगाल सरकार के सूत्रों ने बताया कि शाह की चटर्जी से यह 'शिष्टाचार' मुलाकात थी। चटर्जी के आवास पर शाह के साथ गए नेताओं में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, राज्य मंत्री निशीथ प्रामाणिक और खेल मंत्री इंद्रनील खान शामिल थे।

आरजी कर दुष्कर्म-हत्या मामले में तीन आईपीएस अधिकारियों का निलंबन चार माह के लिए बढ़ा

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक युवा चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले की जांच में पुलिस की कथित लापरवाही के संबंध में तीन आईपीएस अधिकारियों विनीत गोयल, अभिषेक गुप्ता और इंदिरा मुखोपाध्याय का निलंबन चार महीने के लिए और बढ़ा दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बता दें कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के इन तीनों अधिकारियों को इस वर्ष 15 मई को हाई-प्रोफाइल मामले की जांच में कथित गड़बड़ी और कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया था। अधिकारी ने कहा कि तीनों अधिकारियों का निलंबन चार महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। नाम न उजागर करने की शर्त पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि निलंबन की अवधि बढ़ाना एक औपचारिक प्रक्रिया है, क्योंकि विभागीय जांच अभी जारी है। अगले आदेश तक ये अधिकारी निलंबित रहेंगे। उन्होंने कहा कि अनुशासनात्मक कार्रवाई अभी पूरी नहीं हुई है और लागू सेवा नियमों के अनुसार सरकार ने निलंबन बढ़ाने का फैसला किया है।

राज्य में अगले दो हफ्तों में दो बड़ी फैक्ट्रियों का होगा विस्तार, हजारों करोड़ के निवेश का दावा

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में औद्योगिक विकास को नई गति देने की दिशा में दो बड़ी परियोजनाओं की घोषणा की गई है। राज्य के उद्योग मंत्री तापस राय ने बताया कि जुलाई महीने में वस्त्र और इस्पात क्षेत्र की दो प्रमुख कंपनियां अपने-अपने संयंत्रों का विस्तार शुरू करेंगी। इसे राज्य में निवेश और रोजगार बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। हुगली के डानकुनी स्थित लक्स इंडस्ट्रीज़ के कारखाने के विस्तार का शिलान्यास 11 जुलाई को होगा। कंपनी ने इस परियोजना के लिए करीब 600 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। विस्तार के बाद फैक्ट्री का कुल क्षेत्रफल लगभग 20 लाख वर्गफुट तक पहुंच जाएगा, जिससे उत्पादन क्षमता और रोजगार के नए अवसर बढ़ने की उम्मीद है। बांकुड़ा के मेजिया स्थित श्याम स्टील संयंत्र का विस्तार 18 जुलाई से शुरू होगा। कंपनी ने राज्य में इस्पात, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना जताई है। पहले चरण में संयंत्र की उत्पादन क्षमता 7 लाख टन से बढ़ाकर 10 लाख टन की जाएगी, जबकि भविष्य में इसे 20 लाख टन तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना-कोटा मण्डल सिविल इंजीनियरिंग (जीएसयू)

No.-GSU-KOTA-NIT Dt. 03.07.2026

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य परियोजना प्रबंधक (जीएसयू) पश्चिम मध्य रेल्वे कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है। **टेंडर संख्या**-GSU-KOTA-04-2026, **कार्य का विवरण**-बेलेंस वर्क ऑफ डेवलपमेंट ऑफ इन्फ्रास्ट्राक्चर एट हिण्डौन सिटी गुड्स शेड। **अनुमानित लागत**-14,72,01,571.28, **बयाना राशि**-29,44,000.00, **टेण्डर भरने की अन्तिम तिथि एवं समय**-15.00 Hrs. On date 03.08.2026, पूर्ण विवरण वेबसाइट https://ireps.gov.in पर अपलोड की गई ई-निविदा में तथा मुख्य परियोजना प्रबंधक (जीएसयू) पश्चिम मध्य रेलवे, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर कोटा के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

(हस्ता.)
उप मुख्य इंजीनियर (जीएसयू)
पश्चिम मध्य रेल्वे कोटा

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र एवं परिशिष्ट

निविदा सूचना सं. : 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 26.06.2026 के संबंध में शुद्धिपत्र एवं परिशिष्ट, **24.07.2026** को खोली जाएगी, जो पूर्व में मंडल अभियंता (मुख्यालय), पूर्व रेलवे, सियालदह द्वारा प्रकाशित की गई थी, इसके शीर्षक में असावधानी में टाइपिंग संबंधी एक भूल थी यानी निविदा सूचना की पहली लाइन "दो पैकेट प्रणाली" छाप दिया गया था। **निविदा सं. टीएन-113-26-27 के माध्यम से निविदा को एकल पैकेट प्रणाली** पढ़ा जाना चाहिए। सभी अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

SDAH-118/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

श्यामा प्रसाद मुखर्जी को राज्य के हर घर में मिलेगा सम्मान : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोमवार को कहा कि जिस सम्मान के साथ राज्य के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम्' गाया जाता है, डॉ. मुखर्जी को भी बंगाल के हर घर में उसी सम्मान के साथ याद किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने डॉ. मुखर्जी के देश के प्रति योगदान को लोगों के सामने नहीं रखा। उन्होंने दावा किया कि डॉ. मुखर्जी की मुख्य भूमिका के कारण ही पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा बना। उन्होंने कहा कि जिस तरह स्कूलों में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' गाया जाता है, उसी तरह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी राज्य के हर घर में सम्मान दिलाया जाएगा। भाजपा के मध्य कोलकाता

स्थित प्रदेश कार्यालय में डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जानना जरूरी है कि पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने में डॉ. मुखर्जी ने कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में वाम मोर्चे के 34 वर्ष के शासन और तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 वर्षों के दौरान डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र के प्रति योगदान को लोगों के सामने नहीं लाया गया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी की भूमिका के कारण ही पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा बना, अन्यथा यह तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान और वर्तमान बांग्लादेश का हिस्सा होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस स्थिति में क्या होता, इसकी कल्पना आज सोशल मीडिया पर सामने आ रही अनेक पोस्ट और खबरों के माध्यम से की जा सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि राजय में भाजपा सरकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद के विचारों के अनुरूप काम करेगी।

❑ **'पाठ्यपुस्तकों में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को शामिल किया जाना चाहिए'**

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि राज्य को भारत का हिस्सा बनाए रखने में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान और अखंड राष्ट्र के उनके दृष्टिकोण को अगले शैक्षणिक सत्र से राज्य की स्कूली पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाना चाहिए। मित्रा इंस्टीट्यूशन नामक विद्यालय में मुखर्जी की 125वीं जयंती के समारोह के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभेंदु ने कहा कि भवानीपुर के इस स्कूल का नवीनीकरण उनकी विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से किया जाएगा। मुखर्जी इस स्कूल के छात्र थे। उन्होंने कहा कि अगले शैक्षणिक सत्र से, पाठ्यपुस्तकों में भारतीय जनसंघ के संस्थापक के पश्चिम बंगाल के गठन में योगदान, देशभक्ति और अखंड भारत पर उनके विचार, संसद में दिए गए भाषणों, केंद्र में मंत्री के तौर पर उनकी भूमिका और कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उनके काम को शामिल किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि इन्हें स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक छापा, पढ़ाया और इन पर चर्चा की जानी चाहिए।

NAME CHANGE

I, Maninder Singh Saharan (Old Name) S/o Late Mall Singh Residing at House No. 109-D, Model Town, P.o - Patiala, District - Paliala, Pin - 147001, Punjab, India, do hereby declare that I have Changed my name from Maninder Singh Saharan (Old Name) to Maninder Singh (New Name) and henceforth I shall be known as Maninder Singh (New Name) in all purpose, vide affidavit Sworn before the Notary public at Kolkata on Dated 03-07-2026. Maninder Singh (New Name) and Maninder Singh Saharan (Old Name) both are same and one identical person.

NAME CHANGE

I, Sarabjeet Kaur Saharan (Old Name) W/o Maninder Singh Residing at House No. 109-D, Model Town, P.o - Patiala, District - Paliala, Pin - 147001, Punjab, India, do hereby declare that I have Changed my name from Sarabjeet Kaur Saharan (Old Name) to Sarabjeet Kaur (New Name) and henceforth I shall be known as Sarabjeet Kaur (New Name) in all purpose, vide affidavit Sworn before the Notary public at Kolkata on Dated 03-07-2026. Sarabjeet Kaur (New Name) and Sarabjeet Kaur Saharan (Old Name) both are same and one identical person.

NAME CHANGE

I, Sahajjaap Saharan (Old Name) S/o Maninder Singh Residing at House No. 109-D, Model Town, P.o - Patiala, District - Paliala, Pin - 147001, Punjab, India, do hereby declare that I have Changed my name from Sahajjaap Saharan (Old Name) to Sahajjaap Singh (New Name) and henceforth I shall be known as Sahajjaap Singh (New Name) in all purpose, vide affidavit Sworn before the Notary public at Kolkata on Dated 03-07-2026. Sahajjaap Singh (New Name) and Sahajjaap Saharan (Old Name) both are same and one identical person.

पूर्व रेलवे

एनआईटी संख्याः 138_2026-27, दिनांक 02.07.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 (**वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के क्षेत्राधिकार हेतु**) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण :** लेवल क्रॉसिंग नं. 3 के स्थान पर रिसड़ा सीमित उपयोग वाले सबवे का शेष कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 19,77,85,762.86, **बयाना राशि:** रु. 39,55,700/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 20.07.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-192/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. : 167_2026-27, दिनांक: 02.07.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा -711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा। कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल में एईएन/आजिमगंज के अधीन नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों (कटवा-आजिमगंज खंड में 4 अदद एवं आजिमगंज-नलहाटी खंड में 2 अदद) पर रिले हट का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 4,07,94,390.16, **बयाना राशि :** रु. 8,15,900/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 04 (चार) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक **24.07.2026 को 14.00 बजे।** निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-191/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

राज्यपाल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

❑ **कहा... 'राष्ट्रवाद के आदर्श सदैव प्रेरणा देते रहेंगे'**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल आर. एन. रवि ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संपूर्ण राष्ट्र आज कृतज्ञता और विनम्रता के साथ इस महान राष्ट्रवादी नेता, दूरदर्शी चिंतक और प्रखर विद्वान को नमन कर रहा है। सोमवार को 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत के इतिहास के अत्यंत महत्वपूर्ण दौर में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि देश विभाजन के समय जब भारत की एकात्मता पर गंभीर संकट उत्पन्न हुआ था, तब उनके दृढ़ और अडिग नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया कि पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न अंग बना रहे। राज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के उद्देश्य से डॉ. मुखर्जी का सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत बना रहा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त किए जाने के साथ डॉ. मुखर्जी के लंबे समय से संजोए गए संकल्प को मूर्त रूप मिला। उन्होंने अपने संदेश में विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रवादी विचारधारा और आदर्श भविष्य में भी देश तथा पश्चिम बंगाल को वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित बंगाल के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन देते रहेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल रवि ने कोलकाता स्थित लोक भवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि भी दी।

राज्यसभा की तीनों सीटों पर भाजपा के जीतने की प्रबल संभावना

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग ने राज्य की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग की इस घोषणा के बाद जहां तीनों सीटों पर भाजपा की जीत की प्रबल संभावना दिख रही है, वहीं बंटी हुई तृणमूल कांग्रेस की ताकत संसद में और कम हो सकती है। तृणमूल कांग्रेस के इस समय राज्यसभा में नौ सदस्य हैं। भाजपा के पास राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा में कुल 208 सदस्य हैं, इसलिए आंकड़े पूरी तरह से पार्टी के पक्ष में हैं। अगर पार्टी तीन उम्मीदवार उतारती है और उसके विधायक पार्टी के निर्देश के अनुसार मतदान करते हैं, तो पार्टी

अपने उम्मीदवारों के लिए क्रमशः लगभग 70, 69 और 69 वोट आसानी से हासिल कर सकती है, जिससे तीनों सीट पर उपचुनावों में उसकी जीत की प्रबल संभावना है। राज्यसभा चुनाव प्रणाली के तहत, तीन सीट के लिए होने वाले उप-चुनाव में किसी उम्मीदवार को जीतने के लिए करीब 70 'प्रथम वरीयता' वाले मतों की जरूरत होगी। विधानसभा में भाजपा की मौजूदा ताकत के मद्देनजर वह दूसरे दलों के समर्थन पर निर्भर रहे बिना तीन उम्मीदवारों के लिए जरूरी संख्या बल जुटा सकती है। यह गणित मुख्य विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के सामने मौजूद चुनौती को भी दर्शाता है। भाजपा उम्मीदवार को हराने के लिए किसी भी विरोधी उम्मीदवार को कम से कम 70 मतों की जरूरत होगी। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुने गए विधायकों की कुल संख्या अब भी लगभग 80 है, लेकिन पार्टी का विधायक दल अब ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट और विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट के बीच बंट गया है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : एसजी.निविदा/डीएसटीई/एसडीएएच/625, दिनांक 03.07.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, सियालदह, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम ऑफिस, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा सं.: एसडीएसटीई/एसआईजी/टी/16/26-27/एसएफ। कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** सियालदह मंडल के लक्ष्मीकांतपुर-निश्चिंदपुर खंड में प्रहरीयुक्त नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 31ई और बनगांव-पेट्रापोल खंड में गेट नंबर 57ई का उन्नयन और इंटरलॉकिंग। **निविदा मूल्य :** रु.1,64,06,067.04, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति जमा की जाएगी :** रु.3,28,100/-, **कार्य की समापन अवधि:** 06 माह। **निविदा जमा देने की प्रारंभिक तिथि:** 16.07.2026, **निविदा जमा देने की अंतिम तिथि:** 30.07.2026 को 14.00 बजे। **निविदा बोली के खोलने की तिथि:** 30.07.2026 को 14.30 बजे। **विवरण www.ireps.gov.in से देखा जा सकता है। तकनीकी पात्रता मानदंड:** निविदाकार ने निविदा आमंत्रण से पूर्व महीने के अंतिम दिन को समाप्त, पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य का सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से निष्पादन किया है: (i) तीन समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की समान राशि से कम न हो, या (ii) दो समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की समान राशि से कम न हो, या (iii) एक समरूप कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की समान राशि से कम न हो। **वित्तीय पात्रता मानदंड:** निविदाकार का न्यूनतम औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार V/N या 'V' होना चाहिए, जो भी कम हो, जहाँ V = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, N = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकाजनित भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तैयार किया जाना है/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र को विचार में लिया जाएगा। निविदाकार जीसीसी 2022 के अनेक्सर-VIबी (मौजूदा निविदा कागजात का फॉर्म-6) के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ सनदी लेखापाल द्वारा यथा प्रमाणित लेखापरीक्षित तुलन पत्र की प्रतियाँ/लेखापरीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथा समर्थित सनदी लेखापाल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। **जमा किए जाने वाले अन्य कागजात:** निविदा कागजात में उल्लिखित अनुसार। **समरूप कार्य की प्रकृति:** पैनल इंटरलॉकिंग या रूट रिले इंटरलॉकिंग या इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग या आईबीएच या ऑटोमेटिक सिग्नलिंग या एलसी गेट इंटरलॉकिंग का कोई भी कार्य मौजूदा निविदा कार्य के लिए समान प्रकृति के काम के रूप में माना जाएगा। **टिप्पणी:** निविदाकार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा कागजात में उल्लिखित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में कागजात प्रस्तुत करेंगे। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्रों के समर्थन में कागजातों/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि का प्रत्येक पृष्ठ निविदाकार या निविदाकारी फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-सत्यापित/डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित होगा। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तिथि (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होंगे।

SDAH-117/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

बारुईपुर दुष्कर्म-हत्या मामला : एसआईटी ने मुख्य आरोपी को दबोचा, तीन लोग हिरासत में

❑ **अब तक मामले में तीन गिरफ्तार, कुल चार मामले दर्ज**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य पुलिस ने बारुईपुर में एक नाबालिग से कथित तौर पर दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया जिससे मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान आनंद सरदार के रूप में हुई है। उसे बारुईपुर जिला पुलिस ने दोपहर के समय एक तलाश अभियान के बाद दक्षिण 24 परगना में बाजार इलाके से पकड़ा। उन्होंने कहा कि इस मामले में मुख्य आरोपी सरदार को गिरफ्तार कर लिया गया है। ऐसी सूचना थी कि वह बारुईपुर बाजार क्षेत्र में है, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या अब तीन हो गई है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को उसकी मोबाइल फोन टावर लोकेशन के जरिए पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा और पूछताछ के लिए वह पुलिस हिरासत में है। अधिकारी ने कहा कि इनके अलावा हमने तीन अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। हमारे अधिकारी उनसे पूछताछ कर रहे हैं। हमें इस अपराध में मुख्य आरोपी की भूमिका के साथ-साथ उसके संभावित ठिकाने के बारे में भी जानकारी मिली।

❑ **जिले के कई इलाकों में निषेधाज्ञा लागू**

इस बीच, अपराध को लेकर फैले तनाव के कारण कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों ने दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर, नरेंद्रपुर और सोनारपुर इलाकों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। वहीं, एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हालात काबू में हैं, लेकिन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर निषेधाज्ञा लागू की गई है। प्रभावित इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

माकपा नेताओं ने पीड़िता के परिवार से की मुलाकात

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की एक टीम ने केंद्रीय समिति सदस्य सुजन चक्रवर्ती के नेतृत्व में सोमवार को बारुईपुर में मृतक लड़की के परिवार से मुलाकात की और पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग की। चक्रवर्ती ने पुलिस पर समय पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए सरकार से ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस जघन्य घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है; पश्चिम बंगाल के लोग बारुईपुर की घटना में न्याय चाहते हैं। माकपा नेताओं ने मृतका के परिजनों से बातचीत की।

घटना के खिलाफ ममता ने कोलकाता में निकाली विरोध रैली

राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या की कथित घटना के विरोध में कोलकाता में कालीघाट स्थित अपने आवास से सोमवार को एक रैली निकाली। हाथ में मोमबत्ती थामे ममता ने विरोध रैली का नेतृत्व किया, जिसमें पार्टी सांसद डोला सेन, प्रतिमा मंडल और डेरेक ओब्रायन के अलावा तृणमूल कांग्रेस के ममता गुट के कई समर्थकों ने हिस्सा लिया। रैली के दौरान ममता हरीश चटर्जी मार्ग से गुजरीं, जहां उनका आवास स्थित है। रैली में शामिल प्रदर्शनकारियों ने हाथ में तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर पीड़िता और उसके परिवार के लिए न्याय की मांग को लेकर नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारी कालीघाट रोड का चक्कर लगाते हुए ममता के आवास के सामने पहुंचे, जहां रैली समाप्त हुई। रैली के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात किए गए थे।

निषेधाज्ञा के बीच पीड़िता के परिजन से मिले ममता के करीबी नेता

तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी नीत खेमे के नेताओं ने दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में लागू निषेधाज्ञा के बीच सोमवार को क्षेत्र का दौरा किया और उस 11 वर्षीय बच्ची के परिजन से मुलाकात की, जिसकी कथित तौर पर दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। बारुईपुर का दौरा करने वाले तृणमूल नेताओं में विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक बिमान बनर्जी, राज्यसभा सदस्य डोला सेन और जयनगर की सांसद प्रतिमा मंडल सहित अन्य शामिल हैं। उन्होंने पीड़िता के माता-पिता से अलग-अलग मुलाकात कर उन्हें पार्टी की तरफ से कानूनी और अन्य तरह की मदद का भरोसा दिलाया। सेन ने संवाददाताओं से कहा कि हम ममता बनर्जी के प्रतिनिधि के तौर पर यहां आए और पीड़िता के पिता से उनके बारुईपुर स्थित आवास पर तथा मां एवं परिवार के अन्य सदस्यों से थोड़ी दूरी पर उनके पैतृक गांव स्थित मकान में मुलाकात की। हमने उन्हें भरोसा दिलाया कि ममता बनर्जी परिवार के साथ मजबूती से खड़ी हैं और वह उसे हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराएंगी। तृणमूल विधायक बिमान बनर्जी ने कहा कि पुलिस को अपराधियों का पता लगाने के लिए ज्यादा सक्रिय होना चाहिए था। स्थानीय लोगों के पास विरोध-प्रदर्शन करने के अलावा कोई चारा नहीं था और उनका विरोध स्वाभाविक था। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ममता बनर्जी को पीड़ित परिवार से मिलने से रोका गया। यह लोगों की आवाज दबाने की कोशिश करने के अलावा कुछ नहीं है। बिमान ने आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार से मुलाकात के लिए हमारे दौरे में कई रुकावटें आईं। पुलिस ने हमें कई जगहों पर रोका और हमारी गाड़ियों की तलाशी ली, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ममता हमारे साथ यात्रा तो नहीं कर रही हैं।

अदालती सूचना

अन्तर्गत न्यायालय,
श्रीमान् असैनिक न्यायाधीश,
वरीय कोटि नं०-1, दलसिंहसराय।
हकियत वाद संख्या-15/2025 ई०
दामोदर सिंह एवं अन्य——— वादीगण
=। बनाम ।=
शुक्ता दास ।सिंह। वगैरह—— प्रतिवादीगण
नोटिस बनाम
शुक्ता दास ।सिंह। उर्फ शुन्ता देवी कथित पति स्व० गोपाल सिंह, निवासी ईटाहार, पोरता ईटहार उत्तर दीनाजपुर, पश्चिम बंगाल——— प्रतिवादी

आपको सूचित किया जाता है कि वादीगण ने आपके विरुद्ध उपरोक्त वाद दाखिल किया है जिसमें वजरिये नजारत व डाक सम्मन भेजकर आपको सूचित किया जा चुका है कि उसके बाबजूद भी आपलोग उपस्थित नहीं हुए हैं।
अतः इस गजट प्रकाशन के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है, कि दिनांक 24-7-26 को 10.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा आपके अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय सुनवाई की जायेगी। इसे आवश्यक समझें।

असैनिक न्यायाधीश प्रथम,
वरीय कोटि, दलसिंहसराय।
16.06.26

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥

www.samagya.in

समाज्ञा

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in

230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

कमरहट्टी नगरपालिका में लॉकेट चटर्जी के भाई के चेयरमैन बनने पर शमिक भट्टाचार्य ने तलब की रिपोर्ट

भाजपा अध्यक्ष ने कहा... 'कब्जे की राजनीति को नहीं देंगे बढ़ावा'

कोलकाता, समाज्ञा : कमरहट्टी नगरपालिका पर भाजपा के नियंत्रण की अटकलों के बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने सोमवार को पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि भाजपा किसी भी तरह की कब्जे की राजनीति को बढ़ावा नहीं देगी। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम पर विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर मुरलीधर सेन लेन स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शमिक भट्टाचार्य ने कहा

कि कोई भी व्यक्ति स्वयं को भाजपा पार्षद घोषित कर दे और पार्टी उसे स्वीकार कर ले, ऐसा नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी की अनुमति और आधिकारिक निर्णय के बिना कोई भी व्यक्ति भाजपा की ओर से राजनीतिक पहचान का दावा नहीं कर सकता।

गौरतलब है कि गत 12 जून को कमरहट्टी नगरपालिका के तत्कालीन चेयरमैन गोपाल साहा ने चेयरमैन और पार्षद, दोनों पदों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद, वार्ड 8 के दीपांशु घोषाल, वार्ड 19 की लक्ष्मी विश्वास और वार्ड 27 के श्यामल चक्रवर्ती ने भी पार्षद पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद, भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी के बड़े भाई और निर्दलीय पार्षद सुशांत चटर्जी का नाम चेयरमैन पद के लिए सामने आया। पिछले शुक्रवार को आयोजित बोर्ड बैठक में उपस्थित 27 पार्षदों के सर्वसम्मत समर्थन से सुशांत चटर्जी को नया चेयरमैन चुना गया। उन्हें तृणमूल कांग्रेस के पार्षदों का भी समर्थन मिला। इसके बाद, राजनीतिक हलकों में यह चर्चा शुरू हो गई कि कमरहट्टी नगरपालिका भाजपा के नियंत्रण में आ गई है।

हालांकि, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह जांच की जाएगी कि इस तरह का प्रचार कैसे शुरू हुआ और इसमें पार्टी की कोई भूमिका थी या नहीं। उन्होंने प्रदेश महासचिव (संगठन) अमिताभ चक्रवर्ती को पूरे मामले की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी का कोई नेता, विधायक या मंत्री संगठन की मंजूरी के बिना किसी राजनीतिक स्थिति की घोषणा नहीं कर सकता।

यूनेस्को व पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने झाड़ग्राम के सबाई शिल्प क्लस्टरों का किया दौरा

झाड़ग्राम : ग्रामीण शिल्प एवं सांस्कृतिक केंद्र (आरसीसीएच-खख) परियोजना के तहत यूनेस्को, पश्चिम बंगाल सरकार के एमएसएमई एंड टेक्सटाइल्स विभाग, जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी), खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईबी) तथा कार्यान्वयन संस्था कदम के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने रायसोले और बाराबाड़ी स्थित सबाई घास शिल्प क्लस्टरों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने करीब 115 कारीगरों से संवाद कर परियोजना की प्रगति का आकलन किया। प्रतिनिधिमंडल में चिरोनजीत गांगुली, आशुतोष सामल, प्रसून घोष, अशोक दास, लुबना मेल्जर, शबाना खातून और शांतनु कुमार घोष शामिल थे। परियोजना के तहत कारीगरों को डिजाइन नवाचार, प्राकृतिक रंगाई, गुणवत्ता नियंत्रण, डिजिटल मार्केटिंग और उद्यम विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक 1,276 कारीगर इससे लाभान्वित हो चुके हैं। कारीगर चंदना दास ने कहा कि यूनेस्को प्रतिनिधिमंडल ने उनकी जरूरतों और चुनौतियों को समझा, जिससे उन्हें प्रोत्साहन मिला। वहीं, मंजू महतो ने गांव को पर्यटन आधारित हस्तशिल्प केंद्र विकसित करने और स्थायी प्रदर्शनी व बिक्री केंद्र स्थापित करने की मांग रखी। दौरे के बाद समीक्षा बैठक में चंदाबिला में कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित करने तथा झाड़ग्राम को ओडीओपी पहल से जोड़कर सबाई शिल्प और ग्रामीण पर्यटन के मॉडल केंद्र के रूप में विकसित करने पर चर्चा हुई।

कोमाकी ने लॉन्च किए एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ इलेक्ट्रिक स्कूटर

कोलकाता : कोमाकी ने अपने नए एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ इलेक्ट्रिक स्कूटर्स लॉन्च किए हैं। कंपनी ने इन्हें क्रमशः 73,999 रुपए और 79,999 रुपए की कीमत पर पेश किया है। खास बात यह है कि इस कीमत में दोनों स्कूटर्स ऑल-मेटल बॉडी के साथ आते हैं, जबकि इस प्राइस रेंज में ज्यादातर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स फाइबर बॉडी के साथ उपलब्ध हैं। इस लॉन्च के बारे में बात करते हुए, कोमाकी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की सह-संस्थापक गुंजन मल्होत्रा ने कहा, देश में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन कम कीमत का मतलब गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ के जरिए हमारा प्रयास ऐसे फीचर्स ग्राहकों तक पहुँचाना है, जो अब तक महँगे व्हीकल्स में ही देखने को मिलते थे।

चोरबागान सार्वजनीन दुर्गोत्सव समिति ने 'खुटी पूजा' के साथ 91वें वर्ष की शुरुआत, अकाल बोधन थीम का अनावरण

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता की प्रतिष्ठित दुर्गा पूजा समितियों में शामिल चोरबागान सार्वजनीन दुर्गोत्सव समिति ने रविवार को विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ 'खुटी पूजा' संपन्न कर वर्ष 2026 के लिए अपने 91वें दुर्गोत्सव वर्ष की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर समिति ने अपनी इस वर्ष की थीम अकाल बोधन का भी अनावरण किया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल भाजपा की महासचिव लॉकेट चटर्जी, विधायक कौस्तव बागची, समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार दे (बापी दा) तथा सचिव प्रत्युषा बनर्जी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस वर्ष की थीम अकाल बोधन रामायण की उस पौराणिक घटना पर आधारित है, जिसमें भगवान राम ने रावण से युद्ध से पूर्व देवी दुर्गा का असमय आह्वान किया था। समिति को जूना अखाड़ा के गिरिजी महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ। समिति ने इस वर्ष कलात्मक प्रस्तुति के हिस्से के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित करने के लिए भी काफी कुछ तैयार किया है। समिति अध्यक्ष प्रदीप कुमार दे (बापी दा) ने कहा, चोरबागान सार्वजनीन दुर्गोत्सव समिति 90 वर्षों से अधिक समय से भक्ति, परंपरा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को साथ लेकर चल रही है। इस वर्ष 'अकाल बोधन' थीम के माध्यम से हम आस्था और सामाजिक एकता का संदेश देना चाहते हैं। वहीं, सचिव प्रत्युषा बनर्जी ने कहा, हमारी थीम भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं पर आधारित है। इस वर्ष की प्रस्तुति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित है, जो उनकी आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित है। खुटी पूजा के साथ ही दुर्गोत्सव की तैयारियों का आधिकारिक शुभारंभ हो गया है। समिति अपने 91वें वर्ष में एक भव्य और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध दुर्गा पूजा प्रस्तुत करने के लिए तैयार है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत ब्राह्मण परिषद ने मेधावी विद्यार्थियों व जनप्रतिनिधियों का किया सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत ब्राह्मण परिषद द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में राज्य के शहरी विकास एवं नगरपालिका मंत्री उमेश राय, भाजपा नेता संतोष पाठक तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग 60 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के पदाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अदिति दुबे एवं तान्या चतुर्वेदी ने गणपति वंदना प्रस्तुत की। मंचासीन अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। मंत्री उमेश राय को भगवान परशुराम का स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं उपहार प्रदान किए। उमेश राय ने अपने संबोधन में कहा, मुझे विधायक बनने में 30 वर्ष लगे, लेकिन हमारी सोच हमेशा से युवाओं की शिक्षा और देश के विकास को लेकर रही है। युवाओं की शिक्षा के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा और शैक्षिक संस्थानों को नया स्वरूप प्रदान किया जाएगा। बंगाल में सनातनियों की सरकार बनी है और हम सनातनियों के लिए हर कार्य करेंगे। समारोह में भाजपा के चौरंगी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी संतोष पाठक का संस्था के प्रदेश संयोजक हरि नारायण दुबे ने शाल एवं भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मान किया। संतोष पाठक ने विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व उपहार प्रदान करते हुए कहा, मैं पहली बार किसी ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में आया हूं। आगे भी ऐसे आयोजनों में आता रहूंगा। आप लोग अच्छे कार्य करते रहिए, मैं, उमेश राय और पूरी सरकार आपके साथ हैं।

कार्यक्रम में पार्षद मीना देवी पुरोहित, देव दत्त मांझी, राष्ट्रीय अध्यक्ष रेनू पाठक, राष्ट्रीय संरक्षक पंडित उदय शंकर तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष गिरीश चंद्र दुबे, प्रदेश संयोजक हरि नारायण दुबे, डॉ. इंद्रजीत तिवारी, डॉ. रजनी तिवारी, ओमप्रकाश मिश्रा, प्रभात मिश्रा, डॉ. अरविंद मिश्रा, राजीव रंजन पांडेय, संतोष पांडेय एवं हृदय शंकर मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन अदिति दुबे एवं तान्या चतुर्वेदी ने किया।

मालदह में नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोप में पड़ोसी युवक गिरफ्तार

मालदह : जिले के इंग्लिशबाजार थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता को गंभीर हालत में मालदह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और आरोपित युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान शेख रबीउल (30) के रूप में हुई है। सोमवार को पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इंग्लिशबाजार के यदुपुर इलाके की निवासी पीड़िता तथा आरोपित एक ही मोहल्ले में रहते हैं। पीड़ित परिवार की शिकायत के मुताबिक, रविवार की दोपहर आरोपित के घर में कोई मौजूद नहीं था। इसी अवसर का लाभ उठाते हुए उसने छठी कक्षा की छात्रा को किसी बहाने अपने घर बुलाया और वहां उसका यौन उत्पीड़न किया। घटना के बाद नाबालिग लड़की अकेले ही अपने घर लौट आई थी। उसकी बिगड़ती शारीरिक स्थिति देख परिवार के सदस्यों ने पूछताछ की, जिसके बाद पूरा मामला सामने आया। स्थिति गंभीर होने पर उसे तत्काल मालदह मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इस बीच, आरोपित फरार होकर बिहार भाग गया।

परिजनों की लिखित शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर उसकी तलाश शुरू की और तकनीकी निगरानी के सहारे रविवार की रात ही बिहार के पूर्णिया जिले से उसे धर दबोचा। सोमवार को आरोपित को पुलिस रिमांड की मांग के साथ मालदह जिला अदालत में पेश किया गया। इस संबंध में मालदह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मकसूद हसन ने कहा कि मामले में शीघ्र सुनवाई सुनिश्चित कर दोषी को कड़ी सजा दिलाने की कोशिश की जाएगी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को आसुतोष कॉलेज परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में उपस्थित अतिथियों को संबोधित करते युवा व खेल मंत्री इंद्रनील खान। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी एवं इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस शिविर में एकत्रित रक्त भारतीय सेना को सौंपा जाएगा।

हावड़ा में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिला भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में भारत केशरी एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन हावड़ा ज्ञान पीठ स्कूल परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के जीवन, राष्ट्रभक्ति तथा एक देश, एक विधान, एक निशान के विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। हावड़ा जिला शिक्षक प्रकोष्ठ के सह-संयोजक संतोष तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान देश की एकता और अखंडता के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श आज भी राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीत, विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया। मंच संचालन हावड़ा जिला शिक्षक प्रकोष्ठ के सह-संयोजक संतोष तिवारी ने किया। इस अवसर पर हावड़ा जिला शिक्षक प्रकोष्ठ के कोषाध्यक्ष सुनील शुक्ला, सुजाता पाण्डेय, बाली विधानसभा के संयोजक जितेन्द्र सिंह, अंकिता चटर्जी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र-छात्राएँ एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पूर्व उपस्थित सभी लोगों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

लेजर पावर एंड इंफ्रा लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 9 जुलाई 2026 को खुलेगा

कोलकाता : लेजर पावर एंड इंफ्रा लिमिटेड (कंपनी) ने घोषणा की है कि उसका आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार, 9 जुलाई 2026 को खुलेगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 8 जुलाई 2026 को, यानी आईपीओ खुलने से एक कार्य दिवस पहले आयोजित होगी। आईपीओ 13 जुलाई 2026 को बंद होगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 5 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 203 से 214 प्रति शेयर निर्धारित किया है। निवेशक कम-से-कम 70 इक्विटी शेयरों के लिए तथा उसके बाद 70-70 शेयरों के गुणकों में आवेदन कर सकते हैं। यह आईपीओ 5,420.00 मिलियन तक के फ्रेश इश्यू तथा प्रमोटर विक्रेता शेयरधारकों द्वारा 2,000.00 मिलियन तक के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का संयोजन है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर ध्वजारोहण के दौरान करंट लगने से भाजपा कार्यकर्ता की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के चंद्रकोणा थाना क्षेत्र के बुड़ापाट-पांचखुरी इलाके में सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर पार्टी का झंडा लगाने के दौरान हुए हादसे में एक भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई, जबकि केशपुर-एक मंडल अध्यक्ष सहित चार अन्य कार्यकर्ता गंभीर रूप से झुलस गए। मिली जानकारी के अनुसार, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता पार्टी का ध्वज लगा रहे थे। इसी दौरान झंडे का डंडा ऊपर से गुजर रही हाई-टेंशन बिजली की लाइन के संपर्क में आ गया। करंट की चपेट में आने से भाजपा कार्यकर्ता पापाई पान (26) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि केशपुर-1 के मंडल अध्यक्ष सहित चार अन्य कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभी घायलों को चंद्रकोणा ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे की सूचना पाकर घाटाल के भाजपा नेता तन्मय दास चंद्रकोणा ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मृतक कार्यकर्ता के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा अस्पताल में भर्ती घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों के समुचित उपचार की जानकारी भी ली।

पूर्व रेलवे ने भगवानगोला स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम किया चालू

❑ रेल संचालन होगा अधिक सुरक्षित और तेज

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने सियालदह डिवीजन के अंतर्गत भगवानगोला स्टेशन पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। यह प्रणाली 5 जुलाई को 11:59 बजे विधिवत रूप से सेवा में लाई गई। इस महत्वपूर्ण परियोजना का नेतृत्व पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में किया गया। परियोजना का संचालन और पर्यवेक्षण सियालदह डिवीजन के डीआरएम राजीव सक्सेना के निर्देशन में किया गया। यह अपग्रेडेशन 'रेट्रोफिटिंग' तकनीक पर आधारित था, जिसके तहत पुराने जीई-निर्मित ईआई सिस्टम को हटाकर उन्नत एसआईईएमईएनएस (एमके-खख) इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम स्थापित किया गया। परियोजना के दौरान मौजूदा सिग्नल, पॉइंट्स, ट्रैक सर्किट, लोकेशन बॉक्स और केबल नेटवर्क को सुरक्षित रखते हुए उनकी विस्तृत तकनीकी जांच की गई, जिसमें निरंतरता, इंसुलेशन और कोर वेरिफिकेशन शामिल था। इसके बाद सभी उपकरणों को नए सिस्टम से जोड़ा गया।

इस परियोजना के अंतर्गत लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 165 को बंद किया गया तथा डाउन दिशा के गेट स्टॉप और डिस्टेंट सिग्नल को हटाकर नया डाउन डिस्टेंट सिग्नल स्थापित किया गया। इंडोर सेक्शन में डेटा तैयारी, सर्किट संशोधन, लॉजिक कॉन्फ़िगरेशन और वायरिंग इंटरफेसिंग का कार्य पूरा किया गया। नई प्रणाली में मेन सिग्नल 6 और डमी सिग्नल 1 को सफलतापूर्वक चालू किया गया। कुल 14 रूट्स और 3 पॉइंट्स (6 पॉइंट मशीनों द्वारा) का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया।

पूर्व रेलवे के सीपीआरओ शिबराम माझी ने कहा, नया एसआईईएमईएनएस (एमके-खख) सिस्टम उन्नत फेल-सेफ लॉजिक के साथ सुरक्षा को बढ़ाता है और न्यूनतम व्यवधान के साथ बेहतर संचालन क्षमता सुनिश्चित करता है।

आचार्य मनीष जी से मिलने पहुंचे हजारों लोग, स्वास्थ्य शिविर में जीवनशैली बदलने का लिया संकल्प

कोलकाता, समाज्ञा : जीना सीखो लाइफकेयर (हॉस्पिटल एंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड मेडिकल साइंसेज) के संस्थापक आचार्य मनीष जी के दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कोलकाता के नजरुल तीर्थ में किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीज, उनके परिजन और आम लोग शामिल हुए। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने अपनी जीवनशैली में बदलाव कर स्वस्थ जीवन अपनाने का संकल्प लिया। शिविर को संबोधित करते हुए आचार्य मनीष ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, गलत खान-पान और अनियमित दिनचर्या के कारण लोग हृदय रोग, मधुमेह, किडनी, लीवर और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। उन्होंने आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि सही दिनचर्या और प्राकृतिक उपायों से कई बीमारियों से बचाव संभव है। इस अवसर पर आचार्य मनीष ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि आयुष्मान भारत योजना में आयुर्वेदिक चिकित्सा को व्यापक रूप से शामिल किया जाए तथा अधिक आयुर्वेदिक अस्पतालों की स्थापना की जाए। शिविर में मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. रूपेश राज एवं उनकी टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई। आयोजनकर्ता आकाश गुप्ता ने बताया कि भविष्य में भी कोलकाता सहित अन्य जिलों में ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में रवि कुमार, शाहिद, उज्ज्वल पंडित सहित कई गणमान्य लोग और सैकड़ों आम नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ने हासिल की दो बड़ी समुद्री उपलब्धियां

कोलकाता, समाज्ञा : भारत रत्न डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (एसएमपी), कोलकाता ने दो महत्वपूर्ण परिचालन उपलब्धियों की घोषणा की। ये उपलब्धियां बंदरगाह के आधुनिकीकरण, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) और तटीय शिपिंग को बढ़ावा देने की दिशा में अहम मानी जा रही हैं। कोलकाता डॉक सिस्टम (केडीएस) में जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने यंत्रीकृत बर्थ संख्या 7 एवं 8 पर पहले जहाज के संचालन के साथ व्यावसायिक परिचालन शुरू कर दिया। यह एसएमपी की प्रमुख पीपीपी परियोजनाओं में शामिल है, जिससे कार्गो हैंडलिंग क्षमता, परिचालन दक्षता और ग्राहक सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके अलावा, जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रस्तावित आउटर बर्थ परियोजना की रियायत भी मिली है। यह एसएमपी के इतिहास का पहला आउटर बर्थ होगा, जिससे कोलकाता डॉक सिस्टम की क्षमता बढ़ेगी और पूर्वी भारत के प्रमुख नदी बंदरगाह के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत होगी।

दूसरी ओर, हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (एचडीसी) में यंत्रीकृत थर्मल कोल हैंडलिंग बर्थ-3 को पुनः चालू किया गया है। इसके माध्यम से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) का कोयला दक्षिण भारत के ताप विद्युत संयंत्रों तक रेल और तटीय शिपिंग के जरिए पहुंचाया जाएगा। पहला रेलवे रैक 7 जुलाई को हल्दिया पहुंचने वाला है। अत्याधुनिक वैगन टिपलर, कन्वेयर सिस्टम और उच्च क्षमता वाले शिप लोडर से सुसज्जित यह बर्थ पूर्व तट के सबसे दक्ष कोयला हैंडलिंग केंद्रों में शामिल है और बिजली उत्पादकों को किफायती लॉजिस्टिक समाधान उपलब्ध कराएगा। कोलकाता डॉक सिस्टम में आधुनिक पीपीपी बर्थ का संचालन और हल्दिया में यंत्रीकृत कोयला लॉजिस्टिक्स की पुनर्बहाली डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की दूरदर्शी सोच को सच्ची श्रद्धांजलि है। साथ ही, यह उपलब्धि विश्वस्तरीय समुद्री अवसंरचना, निजी निवेश, तटीय शिपिंग और देश के व्यापार एवं आर्थिक विकास को गति देने की एसएमपी की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

समीर कुमार दास के विदाई समारोह में सहकर्मियों का उमड़ा स्नेह और सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के मुख्य अधीक्षक (सिग्नल टेलीकॉम), कोलकाता से 30 जून को सेवानिवृत्त हुए समीर कुमार दास के सम्मान में 5 जुलाई को बी.सी. रॉय ऑडिटोरियम में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे एम्प्लॉइज एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें सहकर्मियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विशिष्ट अतिथियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। पूर्व रेलवे एसोसिएशन के महासचिव समीर कुमार दास अपनी पत्नी जुथिका सरकार के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। समारोह में रेलवे प्रशासन के कई शीर्ष अधिकारी शामिल हुए, जिनमें प्रभाष दनदासा (डीजी/आरडीएसओ), एसपी सिंह (अपर महाप्रबंधक/पूर्व रेलवे), पंकज मिस्त्री, ब्रजेश कुशवाहा, एसएस प्रियदर्शी, अजय कुमार, टीके मंडल, धीरेंद्र कुमार, एसके बर्मन, अनुराग सिंह एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस आयोजन का संचालन एसोसिएशन के जोनल अध्यक्ष पीसी मुर्मू, कार्यकारी अध्यक्ष जयंत विश्वास और अपर सचिव सुरेंद्र प्रसाद ने किया। इस अवसर पर विभिन्न डिवीजनों से आए रेलवे कर्मचारियों ने समीर कुमार दास के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके योगदान को याद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर भवानीपुर वार्ड-70 में भव्य सेवा एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित

कोलकाता : श्री सनातन सेवा संघ द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती के अवसर पर भवानीपुर, वार्ड-70 में एक भव्य सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में वार्ड-70 के स्थानीय भाजपा नेता एवं संगठन से जुड़े प्रमुख पदाधिकारी दीपू बैठा की सक्रिय भूमिका रही। वे न केवल इस आयोजन में मुख्य सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे, बल्कि श्री सनातन सेवा संघ के अध्यक्ष के रूप में भी संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस अवसर पर कोलकाता नगर निगम के सफाई कर्मियों ,जरूरतमंदों के बीच रेनकोट एवं लगभग 1000 छातों का वितरण किया गया। साथ ही सफाई कर्मियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान लगभग 2000 लोगों के लिए विशाल भंडारे (सामूहिक भोजन) का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। आयोजन का उद्देश्य श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

संस्था के चेयरमैन: राजेश आर. वागानी अध्यक्ष: दीपू बैठा उपाध्यक्ष: दीपक कुमार सिंह सचिव: प्रेम कुमार सिंह महासचिव: आकाश रजक कार्यक्रम संयोजक: राहुल कुमार साव कोषाध्यक्ष: रोहित राय (कुनाल) संयुक्त कोषाध्यक्ष: अभिजीत रॉय जनसंपर्क: रविश कुमार सिंह, राहुल सिंह मुख्य सलाहकार: डॉक्टर ओम प्रकाश चौधरी, दीपक भारती समाज कल्याण:रूपेश यादव, राजीव रॉय, स्थानीय नागरिकों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा एवं जनकल्याण कार्यक्रम समाज में एकता, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।

'धार्मिक स्वतंत्रता दूसरों की भावनाओं को आहत करने की अनुमति नहीं देती'

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की वजह से एक व्यक्ति की सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति को रद्द करते हुए टिप्पणी की कि किसी व्यक्ति को अपने धर्म को मानने का अधिकार है, लेकिन इसे दूसरों की आस्था को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह फैसला दक्षिण 24 परगना जिला के नरेंद्रपुर स्थित रामकृष्ण मिशन कॉलेज की उस याचिका पर दिया, जिसमें चार सितंबर, 2025 को तमाल दासगुप्ता को संस्थान में अंग्रेजी का सहायक प्राध्यापक नियुक्त करने के एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति देबांग्सु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने माना कि उम्मीदवार के सोशल मीडिया पोस्ट दूसरे धर्मों के मानने वालों की भावनाएं आहत करने वाली थीं। पीठ ने इस तथ्य को संज्ञान में लिया कि दासगुप्ता ने अपने धर्म के अलावा दूसरे धर्मों के बारे में कड़े विचार व्यक्त किए थे। अदालत ने उम्मीदवार की दलील को अस्वीकार कर दिया कि कॉलेज द्वारा

उन्हें नौकरी न देने के फैसले ने उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकारों को प्रभावित किया है। अदालत ने यह भी संज्ञान में लिया कि पश्चिम बंगाल महाविद्यालय सेवा आयोग की ओर से इस पद पर दासगुप्ता को नियुक्त करने की सिफारिश किए जाने से पहले ही उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे। इन पोस्ट में उन्होंने धर्मों, रामकृष्ण मिशन (जिसका यह महाविद्यालय एक हिस्सा है) के कामकाज और मिशन के संतों के बार में कड़े विचार व्यक्त किए थे।

खंडपीठ ने पिछले हफ्ते सुनाए गए फैसले में कहा कि हर व्यक्ति को अपने धर्म को मानने का मौलिक अधिकार है। अदालत ने कहा कि हालांकि, किसी धर्म को मानने के अधिकार का अभिप्राय यह नहीं निकाला जा सकता कि उस व्यक्ति को किसी दूसरे व्यक्ति की आस्था या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की अनुमति है। महाविद्यालय प्रशासन ने एकल पीठ के उस आदेश के खिलाफ अपील की थी, जिसमें उसे दासगुप्ता को संस्थान में अंग्रेज़ी के सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति पत्र जारी करने और चार सप्ताह के भीतर उन्हें उस पद का कार्यभार संभालने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया था। एकल पीठ के फैसले को रद्द करते हुए खंडपीठ ने कहा कि संस्थान का फैसला पश्चिम बंगाल महाविद्यालय सेवा आयोग की सिफ़ारिश पर आधारित है और इसका दासगुप्ता की अभिव्यक्ति की आज़ादी या अपने धर्म का पालन करने के उनके मौलिक अधिकार पर कोई असर नहीं पड़ता है। अदालत ने कहा कि महाविद्यालय के शासी निकाय का यह फैसला कि दासगुप्ता इस पद के लिए उपयुक्त नहीं हैं, शैक्षणिक संस्थान के हित में था और यह उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर आधारित था। इसलिए इस फैसले को अतार्किक नहीं माना जा सकता।

खंडपीठ ने महाविद्यालय प्रशासन के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि जब किसी फैसले को तर्कहीन नहीं माना जा सकता, तो उसे मनमाना भी नहीं कहा जा सकता। इसमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल महाविद्यालय सेवा आयोग अधिनियम- 2012 के तहत, आयोग की सिफारिश के बावजूद नियुक्ति देने का अधिकार संबंधित शिक्षण संस्थान के पास है। उच्च न्यायालय ने कहा कि दासगुप्ता की उम्मीदवारी पर निष्पक्ष रूप से विचार किया गया था। पीठ ने कहा कि चयन प्रक्रिया में शामिल होने वाले उम्मीदवार को निष्पक्ष विचार का अधिकार तो है, लेकिन नियुक्ति का कोई स्पष्ट अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा कि इस अधिनियम के दायरे में आने वाले महाविद्यालय को पश्चिम बंगाल महाविद्यालय आयोग द्वारा सुझाए गए उम्मीदवार की नियुक्ति से इनकार करने का अधिकार है, बशर्ते यह फैसला ''ईमानदारी से लिया गया हो, मनमाना न हो और संबंधित संस्थान के सर्वोत्तम हित में हो''।

एसीसी का ठेका मिलने पर कारोबारी को कथित सिंडिकेट ने रोका, पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता के कॉसिपोर इलाके में स्थानीय कथित सिंडिकेट द्वारा एक लॉजिस्टिक्स कारोबारी के वैध व्यावसायिक कार्य में लगातार बाधा पहुंचाने का मामला सामने आया है। कारोबारी रोहित सिंह, जो रोहित लॉजिस्टिक्स के प्रोपराइटर हैं, ने चितपुर थाने में तीसरी बार लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि एसीसी लिमिटेड का परिवहन कार्य मिलने के बाद उन्हें और उनके कर्मचारियों को लगातार धमकाया गया, काम रुकवाया गया तथा मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 11 जून, 25 जून और 27 जून 2026 को अलग-अलग घटनाओं में कथित सिंडिकेट के सदस्य एसीसी के कॉसिपोर स्थित

गोदाम में घुस आए, कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया, वाहनों की लोडिंग रुकवा दी और वैध अनुबंध के तहत चल रहे कार्य को जबरन बाधित किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि उनके मैनेजर आकाश मिश्रा के साथ पुलिस सहायता लेने के दौरान चितपुर थाने के पास मारपीट की गई तथा उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।

❑ तीन शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं, एफआईआर की मांग तेज

शिकायतकर्ता के अनुसार, पहली घटना के बाद 11 जून तथा फिर 18 जून को लिखित शिकायत ई-मेल और स्पीड पोस्ट के माध्यम से भी पुलिस को भेजी गई, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। उनका आरोप है कि पुलिस की निष्क्रियता के कारण आरोपितों के हौसले बढ़ते गए और 27 जून को करीब 50 लोगों ने गोदाम में पहुंचकर कर्मचारियों को धमकाया, वाहन में आग लगाने तथा शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में दावा किया गया है कि घटना की सूचना डायल -100 और डीसीपी नॉर्थ कंट्रोल रूम को दी गई थी, जिसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने पूरी घटना की मोबाइल से रिकॉर्डिंग भी की। रोहित सिंह ने अपनी शिकायत में तत्काल एफआईआर दर्ज करने, सीसीटीवी फुटेज एवं मोबाइल रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने, सभी प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज करने, आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा उनके कर्मचारियों और व्यावसायिक गतिविधियों को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक पुलिस की ओर से शिकायत में लगाए गए आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

कालीगंज में जमीन खोदते ही निकले 32 लाख रुपये और मादक पदार्थ, दो आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के कालीगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जमीन में छिपाकर रखे गए 32 लाख रुपये से अधिक की नकदी, भारी मात्रा में मादक पदार्थ और रसायन बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने सद्दाम हुसैन शेख और अख्तर शेख नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब बरामद नकदी और मादक पदार्थों के स्रोत तथा तस्करी नेटवर्क की जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर मीराबाजार इलाके में रविवार को छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान जमीन खोदने पर नकदी के बंडलों के साथ डेढ़ किलोग्राम से अधिक काले रंग का पाउडर, जिसे स्थानीय स्तर पर 'चाइना कार्ड' कहा जाता है, तथा 297 ग्राम सफेद रंग का पाउडर, जिसे 'गोड़ानी' के नाम से जाना जाता है,

बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में इसे हेरोइन से संबंधित मादक पदार्थ माना जा रहा है। इसके अलावा 4.833 किलोग्राम सोडियम कार्बोनेट एनहाइड्रस सहित अन्य रसायन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि इन रसायनों का इस्तेमाल मादक पदार्थ तैयार करने या उनकी प्रोसेसिंग में किया जाता है। सभी नमूनों को जांच के लिए फोरेंसिक प्रयोगशाला भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही अंतिम पुष्टि की जाएगी। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई, मादक पदार्थ कहां से लाए गए, इन्हें कहां पहुंचाने की योजना थी और इस तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए जांच तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है।

बारुईपुर में जिस तालाब में मिला था नाबालिग का शव, वहां से एक और शव बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 11 वर्षीय बालिका के सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में सोमवार को नया मोड़ सामने आया। जिस तालाब से रविवार को नाबालिका का शव बरामद हुआ था, उसी तालाब से सोमवार को एक व्यक्ति का शव भी बरामद किया गया। पुलिस दोनों घटनाओं के बीच किसी संभावित संबंध की जांच कर रही है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृत व्यक्ति की पहचान कृष्णकांत हलदार के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह पिछले शुक्रवार से लापता थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मृतक के परिजनों से संपर्क किया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कृष्णकांत हलदार का किसी से विवाद था या नहीं, वह क्या काम करते थे और तालाब तक कैसे पहुंचे, इन सभी पहलुओं की जांच बारुईपुर थाना पुलिस कर रही है।

देबराज चक्रवर्ती पर स्कूल की जमीन पर कब्जे कर टेनिस सेंटर बनाने का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : रंगदारी और भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार बिधाननगर नगर निगम के पूर्व पार्षद देबराज चक्रवर्ती की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब उन पर स्कूल की जमीन पर अवैध कब्जा कर टेनिस सेंटर बनवाने का गंभीर आरोप लगा है। स्थानीय लोगों के आरोपों के बाद यह मामला भी जांच के दायरे में आ गया है। बता दें कि पिछले सप्ताह रंगदारी (तोलाबाजी) के आरोप में देबराज चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से भ्रष्टाचार की जांच तेज हो गई है। जांच एजेंसियां उनके कार्यकाल के दौरान हुए विभिन्न मामलों की पड़ताल कर रही हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ ही देबराज चक्रवर्ती से जुड़े कई कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर इलाके में भ्रष्टाचार का व्यापक नेटवर्क तैयार किया था। ताजा आरोप के मुताबिक, देबराज चक्रवर्ती ने एक स्कूल की जमीन पर अवैध कब्जा कर वहां टेनिस सेंटर का निर्माण कराया। इस आरोप के सामने आने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है और जांच एजेंसियां इस पहलू की भी पड़ताल कर सकती हैं।

बारुईपुर दुष्कर्म-हत्या मामला : विधायक रत्ना देवनाथ ने पूर्व सरकार पर साधा निशाना

कोलकाता, समाज्ञा : बारुईपुर में 11 वर्षीय नाबालिग से कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपित आनंद सरदार को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना को लेकर पानीहाटी की विधायक रत्ना देवनाथ ने सोमवार को गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। रत्ना देवनाथ ने पीड़िता के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि न्याय अवश्य मिलेगा, लेकिन माता-पिता अपनी बेटी को कभी वापस नहीं पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा घर जिस तरह सूना हो गया है, उसी तरह आज उस परिवार का घर भी सूना हो गया। समाज में महिलाओं और बच्चियों के प्रति बढ़ते अपराध बेहद चिंताजनक हैं।

लोगों की संवेदनाएं और सामाजिक चेतना लगातार कमजोर होती जा रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर बेटियों को आज भी भोग की वस्तु क्यों समझा जाता है। विधायक ने दावा किया कि राज्य में नई सरकार बने अभी दो महीने ही हुए हैं और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में महिलाओं की सुरक्षा तथा सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यदि जांच निष्पक्ष ढंग से आगे बढ़ेगी तो इस मामले के सभी आरोपित जल्द गिरफ्तार होंगे और उन्हें कड़ी सजा मिलेगी। रत्ना देवनाथ ने पूर्व तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वर्षों तक शिक्षा, सामाजिक मूल्यों और जनकल्याण की उपेक्षा कर खेल, मेले, शराब और जुए जैसी संस्कृति को बढ़ावा दिया गया, जिसका दुष्परिणाम आज समाज को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बारुईपुर की घटना अत्यंत निंदनीय है और इसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए, कम है। उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाओं को किसी भी रूप में उपभोग की वस्तु नहीं माना जा सकता और समाज को इसके खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठानी होगी।

भारत केसरी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती हावड़ा के टाउन हॉल में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके योगदान और जीवन को याद किया गया। कार्यक्रम में राज्य के शहरी एवं नगर निकाय मामलों के राज्य मंत्री उमेश राय, विधायक इंद्रनील घोष, भाजपा नेता ओम प्रकाश सिंह, हावड़ा नगर निगम की कमिश्नर तेजस्वी राणा, अभिषेक गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस मौके पर मंत्री उमेश राय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन और उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

चुनाव चिह्न और पार्टी नाम पर घमासान : टीएमसी के दोनों गुटों ने चुनाव आयोग को सौंपे दस्तावेज

❑ ममता गुट ने बागी गुट के दावे को बताया 'फर्जी'

नयी दिल्ली/कोलकाता : पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के गुट ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को अपना जवाब सौंपते हुए पार्टी पर प्रतिद्वंद्वी गुट के दावे को 'फर्जी' करार दिया और कहा कि पार्टी संविधान के अनुसार दल की संगठनात्मक समितियां वर्ष 2027 तक वैध हैं। निर्वाचन आयोग को जवाब सौंपने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि पार्टी ने बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी की ओर से दिए गए प्रतिवेदन के जवाब में निर्वाचन आयोग को 'बहुत विस्तृत उत्तर' दाखिल किया है। उन्होंने बागी गुट के इस प्रमुख दावे को खारिज कर दिया कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की समिति और राष्ट्रीय कार्य समिति का कार्यकाल वर्ष 2025 में समाप्त हो गया था। लोकसभा सदस्य ने कहा कि पार्टी संविधान में समय-समय पर संशोधन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में कार्यकाल तीन वर्ष से बढ़ाकर चार वर्ष तथा वर्ष 2006 में पांच वर्ष कर दिया गया था और इन संशोधनों की जानकारी निर्वाचन आयोग को भी दी गई थी। उन्होंने बताया कि पिछला संगठनात्मक चुनाव वर्ष 2022 में हुआ था। इसलिए तृणमूल समिति और राष्ट्रीय कार्यकारी समिति का कार्यकाल स्वतः पांच वर्ष का है। यह वर्ष 2027 में समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि समिति का कार्यकाल वर्ष 2025 में समाप्त होने का आरोप ''गलत है और पार्टी के संवैधानिक प्रावधानों से समर्थित नहीं है। कल्याण बनर्जी ने यह भी कहा कि बागी नेताओं ने स्वयं मौजूदा पार्टी नेतृत्व के अधिकार को स्वीकार किया था क्योंकि उन्होंने वर्ष 2026 के पश्चिम

बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था और उनके नामांकन पत्रों पर पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी के हस्ताक्षर थे। उन्होंने कहा कि यदि उनका कहना है कि पार्टी वर्ष 2025 के बाद अस्तित्व में नहीं रही तो फिर उन्होंने किस आधार पर चुनाव लड़ा? उनके अपने तर्क के अनुसार उनका चुनाव अवैध हो जाएगा। उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। तृणमूल नेता ने यह भी आरोप लगाया कि बागी गुट ने 22 जून को आयोजित ''विशेष अधिवेशन'' में पार्टी संगठन के पुनर्गठन का जो दावा किया, वह अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि पार्टी संविधान के अनुसार संगठनात्मक प्रक्रिया की शुरुआत ब्लॉक स्तर से होती है। इसके बाद जिला और राज्य समितियों का गठन किया जाता है और फिर एआईटीसी समिति का गठन होता है।

सांसद ने कहा कि न तो मीडिया में कोई सूचना जारी की गई, न ही उचित तरीके से जानकारी प्रसारित की गई और न ही पदेन सदस्यों को कोई नोटिस दिया गया। उनके द्वारा गठित कथित एआईटीसी स्वयं एआईटीसी संविधान के साथ एक बड़ा छल है। तृणमूल सांसद ने प्रतिद्वंद्वी गुट की कार्रवाई को 'पूरी तरह फर्जी' बताते हुए कहा कि बागियों द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया पूरी तरह से अवैध है तथा पार्टी संविधान के विपरीत है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि यह गुट राज्य प्रशासन के सहयोग से अवैध तरीके से पार्टी कार्यालयों पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है। तृणमूल ने अपने जवाब में पार्टी के वर्ष 1997 में गठन से लेकर अब तक के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा है कि वर्ष 2000 में पार्टी का नाम 'अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस' (एआईटीसी) किए जाने से पहले तत्कालीन 'पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस' को 'घास और फूल' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया था। पार्टी का कहना है कि उसकी मान्यता, संविधान और संगठनात्मक ढांचा निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लगातार आता रहा है तथा पदाधिकारियों का कार्यकाल बढ़ाकर पांच वर्ष किए जाने संबंधी संशोधनों पर आयोग ने कभी कोई आपत्ति नहीं जताई।

जवाब में यह भी कहा गया है कि निर्वाचन आयोग ने स्वयं इसी वर्ष पार्टी से फरवरी में संविधान की नवीनतम प्रति प्राप्त करने के बाद संशोधित पार्टी संविधान को स्वीकार किया था। इसलिए बागी गुट का यह दावा तथ्यात्मक और कानूनी रूप से उचित नहीं है कि वर्ष 2025 में पार्टी की समितियां अस्तित्व में नहीं रहीं।

रसना ने जम्पिन का 1-लीटर टैट्रा पैक किया लॉन्च, रेडी-टू-ड्रिंक बाजार में विस्तार का लक्ष्य

कोलकाता, समाज्ञा : रसना ने अपने रेडी-टू-ड्रिंक पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए जम्पिन का नया 1-लीटर फैमिली साइज टैट्रा पैक देशभर में लॉन्च किया है। कंपनी का लक्ष्य प्रीमियम फ्रूट नेक्टर श्रेणी में लगभग 1,000 करोड़ रुपये के बाजार अवसर का लाभ उठाना है। नया 1-लीटर पैक 10 विटामिन एवं मिनरल्स से युक्त है और लीची, मिक्स्ड फ्रूट तथा ऑरेंज फ्लेवर में उपलब्ध होगा। इसकी कीमत 110 रुपये रखी गई है। रसना प्राइवेट लिमिटेड के ग्रुप चेयरमैन पिरुज खंबाटा ने कहा कि जम्पिन के जरिए कंपनी अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता वाला फ्रूट बेवरेज किफायती कीमत पर उपलब्ध करा रही है। टैट्रा पैक साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक कैसियो सिमोएस ने कहा कि नया 1-लीटर पैक सुरक्षित, सुविधाजनक और उच्च गुणवत्ता वाले पेय की बढ़ती उपभोक्ता मांग को पूरा करेगा।

रंगदारी नहीं देने पर लॉजिस्टिक्स कंपनी के प्रबंधक पर जानलेवा हमले का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के काशीपुर क्षेत्र में एक लॉजिस्टिक्स कंपनी के प्रबंधक पर कथित जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। घटना के बाद व्यावसायिक समुदाय में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। कंपनी के मालिक ने कुछ लोगों पर रंगदारी मांगने और विरोध करने पर हमला कराने का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच जारी होने की बात कही है और खबर लिखे जाने तक आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

जानकारी के अनुसार, कोलकाता नगर निगम के वार्ड 6 स्थित काशीपुर इलाके में रोहित

लॉजिस्टिक्स कंपनी अपने गोदाम से माल की लोडिंग का कार्य कर रही थी। कंपनी के मालिक रोहित सिंह का आरोप है कि पिछले कुछ समय से कुछ लोग उनसे कथित तौर पर रंगदारी की मांग कर रहे थे और कर्मचारियों को लगातार धमकियां दे रहे थे। रोहित सिंह के अनुसार, शनिवार की देर रात कंपनी के प्रबंधक आकाश कुमार मिश्रा गोदाम से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कंपनी का दावा है कि उनके शरीर पर 96 टांके लगे हैं और उनका इलाज जारी है।

कंपनी के मालिक का कहना है कि इस मामले में अब तक चार प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी हैं, लेकिन अभी तक किसी भी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उनका आरोप है कि हमले में लगभग 20 लोग शामिल थे और उनमें से कुछ के नाम भी पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष एवं त्वरित जांच, सभी आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस के अनुसार, कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और हमले के वास्तविक कारण, इसमें शामिल लोगों की भूमिका तथा अन्य तथ्यों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद हो सकेगा। फिलहाल चितपुर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

संदेशखाली से फिर अवैध हथियार और कारतूस बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने एक बार फिर उत्तर 24 परगना के संदेशखाली से अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए हैं और इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक गुप्त सूचना के आधार पर नैजाट थाने की पुलिस ने रविवार की रात हथियारों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम सलाउद्दीन मोल्ला है। उसके पास से एक पाइप गन और सात ताजा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, संदेशखाली में नैजाट थाने के तहत राजबाड़ी आउटपोस्ट (ओपी) के अधिकारियों को एक गुप्त सूचना मिली थी, जिसमें पता चला कि शंकरदाह गांव निवासी सलाउद्दीन अपने घर में अवैध हथियार और कारतूस छिपाकर रखे हुए था। जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों का शुरुआती अनुमान है कि ये हथियार किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने के इरादे से जमा किए गए थे। सूचना मिलते ही राजबाड़ी आउटपोस्ट की एक विशेष पुलिस टीम ने रविवार की रात अचानक तलाशी अभियान चलाया, जिसके तहत शंकरदाह गांव के निवासी सलाउद्दीन के घर की तलाशी ली गई और यह तलाशी सफल रही। उसके घर से देसी पाइप गन और सात जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट, 1959 की विशिष्ट धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

दुर्गापुर में तृणमूल कार्यकर्ता के घर पर हमला और तोड़फोड़, इलाके में दहशत का माहौल

पश्चिम बर्दवान : जिले के दुर्गापुर के बेनाचिती स्थित नूतन पल्ली इलाके में एक तृणमूल कार्यकर्ता प्रशांत राय के घर पर कथित हमला और तोड़फोड़ की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना पाकर दुर्गापुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आरोप है कि देर रात हथियारबंद बदमाशों का एक समूह धारदार हथियार, फावड़ा और आग्नेयास्त्र लेकर रीना राय के घर पहुंचा। इसके बाद, घर के एक हिस्से में जमकर तोड़फोड़ की गई। तोड़फोड़ की आवाज सुनकर जब पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़िता रीना राय ने बताया कि घटना के बाद से उनका परिवार दहशत में है। उन्होंने दुर्गापुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई और इस घटना में शामिल सभी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने लिखित शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। खबर लिखे जाने तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं थी।

कल्याणी में भाजपा कार्यकर्ता का हाथ-पैर बंधा शव पेड़ से लटका मिला, हत्या की आशंका

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के कल्याणी थाना अंतर्गत साहेबबागान इलाके में सोमवार की सुबह एक भाजपा कार्यकर्ता का हाथ-पैर बंधा शव पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विश्वजीत शिकदार के रूप में हुई है। उनकी मौत को लेकर रहस्य बना हुआ है। पुलिस आत्महत्या और हत्या, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मृतक के परिजनों ने किसी व्यक्ति का नाम लेकर हत्या का आरोप नहीं लगाया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस जांच पर पूरा भरोसा है। परिवार ने यह भी दावा किया कि विश्वजीत आत्महत्या नहीं कर सकते। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस दिन, सुबह में घर से करीब एक किलोमीटर दूर रेलवे लाइन के पास स्थित एक आम के बागान में विश्वजीत का शव फंदे से लटका हुआ देखा गया। सूचना पाकर परिजन, भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। बाद में कल्याणी थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कल्याणी जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल (जेएनएम) अस्पताल भेजा। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विश्वजीत शिकदार भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उनके पिता कल्याणी मंडल-2 के बूथ संख्या 127 के भाजपा अध्यक्ष हैं। भाजपा ने इस घटना को सुनियोजित राजनीतिक हत्या करार दिया है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घाटाल में बाढ़ की तैयारियों और मास्टर प्लान पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

❑ मानसून खत्म होते ही शुरू होगा काम, चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य

पश्चिम मेदिनीपुर : राज्य में बरसात के बीच संभावित बाढ़ और बहुप्रतीक्षित घाटाल मास्टर प्लान को लेकर रविवार को घाटाल टाउन हॉल में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य के सिंचाई मंत्री अरूप कुमार दास ने की। बैठक के बाद उन्होंने मास्टर प्लान के तहत चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। बैठक में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त नावों की उपलब्धता, पहले से जनरेटर की व्यवस्था, राहत सामग्री और सूखा भोजन पहुंचाने की योजना पर चर्चा हुई। साथ ही, बीमार लोगों, गर्भवती महिलाओं और सर्पदंश जैसी आपात स्थितियों में त्वरित सहायता के लिए

पुलिस और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की विशेष बचाव टीमों को तैयार रखने का निर्णय लिया गया। सिंचाई मंत्री अरूप कुमार दास ने बताया कि पूर्व की योजना में आवश्यक संशोधन कर नया विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया गया है। बारिश का मौसम समाप्त होने के बाद मास्टर प्लान का काम तेज गति से शुरू होगा और इसे चार वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर परियोजना तैयार की गई है और निर्धारित समय सीमा में इसे पूरा किया जाएगा। बैठक के बाद मंत्री ने घाटाल के कृष्णनगर क्षेत्र में मास्टर प्लान के तहत बन रहे पंप हाउस का भी निरीक्षण किया।

राजस्थान: चार पार्कों का नामकरण श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर करने की घोषणा

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चार प्रमुख पार्कों का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर करने की घोषणा सोमवार को की। अधिकारियों ने बताया कि शर्मा ने राष्ट्रवादी चिंतक एवं शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर मुख्यमंत्री निवास पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के चार प्रमुख पार्कों का नाम उनके नाम पर रखने एवं उनके आदर्शों को समर्पित स्मारक स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जयपुर के वुडलैंड पार्क, जोधपुर के विवेक विहार के सेंट्रल पार्क, कोटा में रामचंद्रपुरा अटवाल नगर के पार्क तथा उदयपुर में सेक्टर-12 योजना के पार्क का नाम डॉ. मुखर्जी के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इन सभी स्थानों पर राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को प्रदर्शित करने वाले स्मारक भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''डॉ. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ एकता, अखंडता और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, त्याग और राष्ट्रभक्ति आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे में यह पहल भावी पीढ़ियों को डॉ. मुखर्जी के विचारों से प्रेरणा देने का प्रयास है।''

मुजफ्फरनगर में एक व्यक्ति की हत्या के जुर्म में एक पूर्व ग्राम प्रधान समेत दो को मृत्युदंड

मुजफ्फरनगर (उप्र): मुजफ्फरनगर की एक त्वरित अदालत ने एक व्यक्ति की हत्या के जुर्म में एक पूर्व प्रधान समेत दो लोगों को सोमवार को मृत्युदंड सुनाया। अपर जिला न्यायाधीश (एफटीसी) मुजफ्फरनगर रवि कुमार दिवाकर ने भादसं की धारा 302 के तहत दोषी ठहराते हुए पूर्व ग्राम प्रधान प्रमोद और उसके सहयोगी सहदेव उर्फ पप्पू पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि यह मामला दुर्लभतम मामलों में आता है। अदालत ने यह भी कहा कि सजा की पुष्टि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा की जाएगी। सरकारी वकील कुलदीप कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 24 अगस्त, 2010 को जिले के तितावी थानाक्षेत्र के मांडी गांव में पंचायत चुनाव की दुश्मनी को लेकर 60 वर्षीय राजबीर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सरकारी वकील के अनुसार राजबीर सिंह के बेटे प्रदीप कुमार ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने 13 दिसंबर, 2010 को आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

उत्तर प्रदेश : श्रमिक परिवारों के लिए गोरखपुर और मुरादाबाद में बनेंगे 100-100 बेड के आधुनिक अस्पताल

मंत्रिमंडल ने दी तीन नये निजी विश्वविद्यालय खोलने की मंजूरी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य में तीन नये निजी विश्वविद्यालय खोलने के प्रस्तावों को मंजूरी दी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि यह निर्णय यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इसके साथ ही राज्य में निजी विश्वविद्यालयों की कुल संख्या बढ़कर अब 56 हो जायेगी। उपाध्याय ने प्रेसवार्ता में कहा कि तय मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद 'उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम-2019' के तहत इन प्रस्तावों को मंज़ूरी दी गई। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने सम्बन्धित संस्थानों को 'आशय पत्र' और संचालन प्राधिकार पत्र जारी करने की मंजूरी दी है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि जिन संस्थानों को मंजूरी दी गयी उनमें एक कृषि-केंद्रित विश्वविद्यालय भी शामिल है जिसे दिल्ली के 'स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती चैरिटेबल ट्रस्ट' कानपुर नगर जिले में बिल्हौर तहसील के गदनपुर अहार गांव में 51.739 एकड़ जमीन पर स्थापित करेगा।

मंत्रिमंडल ने गोरखपुर और मुरादाबाद में 100-100 शय्याओं के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अस्पतालों तथा वाराणसी में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि आवंटन को स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से इन परियोजनाओं के लिए भारत सरकार को निःशुल्क और रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। राजभर ने बताया कि मुरादाबाद में अस्पताल निर्माण के लिए हरथला गांव में 2.025 हेक्टेयर राज्य सरकार की भूमि भारत सरकार को निःशुल्क आवंटित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद में प्रस्तावित 100 शैय्या के अस्पताल से लगभग 93,591 बीमांकित श्रमिकों और उनके 3,55,646 परिजनों को चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। राजभर ने बताया कि अस्पताल का निर्माण कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी तरह गोरखपुर के गीडा सेक्टर-09 में करीब 5.249 एकड़ भूमि पर 100 बेड का ईएसआईसी अस्पताल बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री जोखिम प्रबंधन एवं पशुधन बीमा योजना को मिली उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की मंजूरी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 'मुख्यमंत्री जोखिम प्रबंधन एवं पशुधन बीमा योजना' की कार्ययोजना एवं वित्तीय प्रावधान को मंजूरी दी गई। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने मंत्रिमंडल के इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का उद्देश्य किसानों, पशुपालकों और डेयरी संचालकों को पशुओं की मृत्यु या दुर्घटना से होने वाले आर्थिक नुकसान से बचाना और उन्हें वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में इस योजना के संचालन के लिए 60 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है तथा बीमा प्रीमियम का 85 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार वहन करेगी। सिंह ने बताया कि योजना के तहत लघु एवं सीमांत किसानों, भूमिहीन पशुपालकों, डेयरी फार्म के पशुपालकों तथा अन्य पात्र पशुपालकों के पशुओं का बीमा कराया जाएगा और अगर किसी पशु की महामारी, दैविक आपदा, आकस्मिक दुर्घटना के कारण मृत्यु हो जाती है या वह अनुपयोगी हो जाता है, तो बीमा के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहला मौका मिलते ही बांकीपुर छोड़ दिया: प्रशांत किशोर

पटना: जन सुराज पार्टी के संस्थापक एवं बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पर संसद पहुंचने का पहला अवसर मिलते ही बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र को 'छोड़ देने' का आरोप लगाया। पिछले विधानसभा चुनाव में नितिन नवीन लगातार पांचवीं बार इस सीट से विजयी रहे थे। इस उपचुनाव में इस सीट से जीत हासिल करने की कोशिश कर रहे किशोर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद गुजरात विधानसभा की अपनी सीट नहीं छोड़ी थी। किशोर ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, 'मुझे पता है कि भाजपा बांकीपुर को अपना गढ़ मानती है। यहां के मतदाताओं ने बार-बार नितिन नवीन पर भरोसा जताया है। लेकिन नितिन नवीन ने उन्हें भूलने में देर नहीं लगाई। संसद जाने का पहला अवसर मिलते ही उन्होंने यह सीट छोड़ दी।' उन्होंने भाजपा के इस दावे को भी खारिज किया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का बिहार विधानसभा का सदस्य बने रहना संभव नहीं था और इसी कारण वह अप्रैल में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनाव अभियान का प्रबंधन कर चुके 'आईपैक' (आई-पीएसी) के संस्थापक किशोर ने कहा, 'हमारे सामने अमित शाह का उदाहरण है। जब वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, तब गुजरात विधानसभा के सदस्य थे। उन्होंने अपनी विधानसभा सीट नहीं छोड़ी थी। नितिन नवीन के लिए दिल्ली जाना कोई मजबूरी नहीं थी। यह उनका अपना फैसला था।'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: महंत नृत्य गोपालदास का बड़ा बयान, जताई नाराजगी; बोले- दोषियों को मिले कड़ी सजा

अयोध्या : अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं श्री मणिरामदास छावनी के महंत नृत्य गोपालदास ने राम मंदिर में कथित दान-चोरी की घटना पर गहरा दुख और नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा गंभीर मामला बताया। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महंत नृत्य गोपालदास द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि मंदिर में हुई कथित दान-चोरी से वे अत्यंत आहत हैं। इस तरह के कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री पर पूरा विश्वास है कि वे इस मामले में दोषियों को बख्शेंगे नहीं। उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। पत्र के अंत में महंत ने कहा है कि यह मामला करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा है। भगवान श्रीराम के नाम पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय का राममंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी से जुड़ी याचिका पर विचार करने से इनकार

लखनऊ : इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने राम जन्मभूमि मंदिर में दान के कथित दुरुपयोग की स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति राजन रॉय और मंजीव शुक्ला की पीठ ने स्थानीय वकील मोहित अशोक की जनहित याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि इसी तरह की याचिका शीर्ष अदालत के समक्ष पहले से ही विचाराधीन है। सुनवाई के दौरान पीठ ने मामले की सुनवाई से पहले ही मीडिया को साक्षात्कार देने के लिए याचिकाकर्ता को भी आड़े हाथ लिया।उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसा आचरण सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास प्रतीत होता है। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को भविष्य में इसे दोहराने के प्रति आगाह किया। जनहित याचिका में राम जन्मभूमि मंदिर में भक्तों द्वारा किए गए दान के कथित गबन की स्वतंत्र जांच का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ता ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) द्वारा मंदिर के खातों की लेखापरीक्षा के लिए भी प्रार्थना की। सुनवाई की शुरुआत में, अतिरिक्त महाधिवक्ता विनोद कुमार शाही ने पीठ को सूचित किया कि उच्चतम न्यायालय ने 29 जून को अजय कुमार राय द्वारा दायर इसी तरह की याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया था कि मामले को गर्मी की छुट्टियों के बाद सूचीबद्ध किया जाए।

न्यूज अपडेट

झारखंड : भारी बारिश बाद तेनुघाट बांध के कई द्वार खोले गए, ग्रामीणों को सतर्क रहने की चेतावनी

बोकारो (झारखंड): मूसलाधार बारिश और जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी के कारण झारखंड के तेनुघाट बांध के दो ऊपरी द्वार और एक निचला द्वार सोमवार शाम खोल दिए गए। इसके साथ ही प्रशासन ने बांध के निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है। तेनुघाट बांध बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ के कार्यकारी इंजीनियर रंजीत कुजूर ने बताया कि दामोदर नदी में लगभग 2,700 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि नदी किनारे रहने वाले लोगों और मछुआरों को सतर्क किया जाए।'' तेनुघाट बांध प्रभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, सोमवार दोपहर तीन बजे दो ऊपरी (रेडियल) द्वार खोले गए। फिलहाल दो ऊपरी द्वार और एक निचले (अंडर-स्लूइस) द्वार के माध्यम से पानी छोड़ा जा रहा है। बांध प्रबंधन ने बताया कि जलाशय की स्थिति को देखते हुए आवश्यकता पड़ने पर अन्य द्वार भी खोले जा सकते हैं। सोमवार अपराह्न तीन बजे जलाशय का जलस्तर 849.76 फुट दर्ज किया गया, जो लगातार बढ़ रहा था। कुजूर ने बताया कि बांध का जल संरक्षण स्तर 852 फुट है। इसलिए जलस्तर को नियंत्रित रखने के लिए एहतियातन पानी छोड़ा गया है।

बिहार: मुजफ्फरपुर में गला रेतकर महिला की हत्या, पति पर आरोप

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में 26 वर्षीय एक महिला की कथित रुप से गला रेतकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मृतका की पहचान रिंकू देवी (26) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मृत महिला के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसके पति मनोज कुमार भगत ने किसी धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। दुबई से हाल ही में लौटा भगत इस घटना के बाद से फरार है। पुलिस के मुताबिक यह घटना सोमवार तड़के राजेपुर थाना क्षेत्र के नवादा गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, रिंकू देवी पिछले कुछ समय से अपने मायके में रह रही थी तथा उसका पति रविवार को अपने ससुराल पहुंचा था। पुलिस का कहना है कि भगत दुबई में रह रहा था और हाल ही में विदेश से लौटा था। राजेपुर थाना के प्रभारी रविकांत ने संवाददाताओं से कहा,'' महिला की हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना के समय दंपति की छह माह की बेटी कमरे में मौजूद थी। परिजनों का आरोप है कि भगत ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी की हत्या कर दी और वारदात के बाद अपने दो वर्षीय बेटे को साथ लेकर फरार हो गया।''

बिहार सरकार अब स्वत: कराएगी मृत रैयतों की जमाबंदी अपडेट, गांव-गांव जाकर होगी पहचान: मंत्री

पटना: राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए बिहार सरकार ने कहा है कि अब मृत जमाबंदी रैयतों के उत्तराधिकारियों को अपने नाम से दाखिल-खारिज कराने के लिए वर्षों तक आवेदन देने और सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। सरकार ने कहा कि राजस्व कर्मचारी स्वयं गांव-गांव जाकर ऐसे मामलों की पहचान करेंगे और स्वत: संज्ञान लेकर दाखिल-खारिज की प्रक्रिया शुरू कराएंगे। इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव ने सोमवार को सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और समाहर्ताओं को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि सरकार की मंशा है कि किसी भी परिवार को केवल जानकारी के अभाव या प्रशासनिक विलंब के कारण उसके वैधानिक अधिकार से वंचित नहीं रहना पड़े। उन्होंने कहा कि मृत रैयतों के नाम पर वर्षों तक जमाबंदी लंबित रहने से पारिवारिक विवाद, मुकदमेबाजी तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं, अब सरकार स्वयं पहल कर ऐसे मामलों का निस्तारण कराएगी।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के मूल मामले में सुनवाई 18 जुलाई के लिए टली

सुलतानपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर स्थित एक विशेष अदालत ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के मूल मामले की सुनवाई 18 जुलाई के लिए स्थगित कर दी। सांसदों/विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई के लिए निर्धारित विशेष अदालत ने अब मानहानि के मुख्य मामले को 18 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। इससे पहले, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश-पंचम ने रायबरेली के सांसद के ख़िलाफ़ मानहानि मामले से जुड़े एक पुनरीक्षण याचिका पर एक जुलाई को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फ़ैसला 15 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया था।

सावन शुरू होने से पहले घर लाएं ये 6 शुभ चीजें, शिव कृपा से चमक जाएगी किस्मत

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के लिए अत्यंत पावन माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु व्रत रखते हैं, जलाभिषेक करते हैं और पूरे समर्पण के साथ महादेव की पूजा करते हैं। दृक पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 में सावन की शुरुआत 30 जुलाई से होगी और इसका समापन 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के दिन होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस महीने में की गई शिव उपासना से जीवन की कई बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इसी कारण लोग सावन के आगमन से पहले अपने घर की साफ-सफाई के साथ कुछ ऐसी शुभ वस्तुएं भी लाते हैं, जिन्हें सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इन चीजों को सावन से पहले घर लाकर विधिपूर्वक स्थापित करने से भगवान शिव के साथ मां लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त होती है। आइए जानते हैं किन वस्तुओं को सावन से पहले घर लाना शुभ माना जाता है।

चांदी का नंदी

नंदी भगवान शिव के प्रिय भक्त और उनके वाहन माने जाते हैं। सावन से पहले घर में चांदी का नंदी लाकर उसे शिवलिंग के पास स्थापित करना शुभ माना जाता है। इससे घर में सकारात्मकता बढ़ती है और मनोकामनाएं पूरी होने की मान्यता है।

पारद शिवलिंग

पारद शिवलिंग को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र माना गया है। कहा जाता है कि सावन में इसकी पूजा करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यदि इसे सावन से पहले घर में स्थापित कर नियमित अभिषेक किया जाए, तो सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है।

रुद्राक्ष भगवान शिव को अति प्रिय माना जाता है। सावन से पहले रुद्राक्ष घर लाना और उसकी पूजा करना शुभ माना जाता है। कई लोग इसे धारण भी करते हैं। मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जीवन की बाधाएं कम होती हैं।

तांबे का कलश

पूजा-पाठ में तांबे का कलश अत्यंत शुभ माना जाता है। शिवलिंग पर जल अर्पित करने के लिए तांबे के पात्र का विशेष महत्व है। ऐसे में यदि घर में तांबे का कलश न हो, तो सावन से पहले इसे खरीदना शुभ माना जाता है।

शंख

शंख को मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु से जुड़ा माना जाता है, लेकिन इसे घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। पूजा के समय शंख बजाने से वातावरण पवित्र होता है और नकारात्मकता दूर होती है। इसलिए सावन से पहले शंख घर लाना लाभकारी माना जाता है।

बेलपत्र का पौधा

बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय होता है। यदि घर में स्थान उपलब्ध हो, तो सावन से पहले बेलपत्र का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। इससे घर का वातावरण सकारात्मक बना रहता है और शिव कृपा प्राप्त होने की मान्यता है।

आपको भी है देर तक सोने की आदत? गरुड़ पुराण में इन 4 आदतों को बताया गया है दरिद्रता का कारण

सनातन परंपरा में गरुड़ पुराण को अक्सर केवल मृत्यु और परलोक से जोड़कर देखा जाता है, जबकि यह दृष्टिकोण पूरी तरह से सही नहीं है। इस ग्रंथ में जीवन को सरल, संतुलित और समृद्ध बनाने के लिए कई गहरे और व्यावहारिक सूत्र भी बताए गए हैं। इसमें स्पष्ट किया गया है कि इंसान की कुछ आदतें धीरे-धीरे उसके घर की सुख-शांति, आर्थिक स्थिति और रिश्तों पर नकारात्मक असर डालने लगती हैं। यही वजह है कि इसमें ऐसी आदतों से दूर रहने की सलाह दी गई है, जिनसे धन की देवी मां लक्ष्मी अप्रसन्न हो सकती हैं। आइए जानते हैं ऐसी 4 आदतों के बारे में, जिन्हें समय रहते छोड़ देना ही परिवार की खुशहाली के लिए बेहतर माना गया है।

1. सूर्योदय के बाद तक सोते रहना

अगर देर तक सोना आपकी दिनचर्या बन चुका है, तो इसे शुभ नहीं माना जाता। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्योदय के बाद भी बिस्तर पर बने रहना आलस्य और अनुशासन की कमी का संकेत है। यह आदत व्यक्ति की कार्यक्षमता को कम कर देती है, जिससे जीवन में मिलने वाले अवसर भी छूट सकते हैं। वहीं, ब्रह्म मुहूर्त में उठकर दिन की शुरुआत करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

2. अन्न का अनादर करना

सनातन परंपरा में अन्न को भगवान का प्रसाद माना गया है, इसलिए इसका सम्मान करना आवश्यक है। गरुड़ पुराण के अनुसार, भोजन की बर्बादी करना या उसे हल्के में लेना अशुभ फल दे सकता है। जरूरत से ज्यादा खाना लेकर उसे फेंक देना या भोजन के प्रति कृतज्ञता का भाव न रखना, धीरे-धीरे आर्थिक तंगी का कारण बन सकता है। इसलिए उतना ही लें जितनी आवश्यकता हो और हर कौर के प्रति आभार रखें।

3. घर में अव्यवस्था और गंदगी रखना

घर की साफ-सफाई केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन के लिए भी जरूरी है। मान्यता है कि जिस स्थान पर गंदगी, बिखराव और अनुपयोगी वस्तुएं अधिक होती हैं, वहां नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है। इसके विपरीत साफ-सुथरा और व्यवस्थित घर सकारात्मकता को आकर्षित करता है और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। इसलिए नियमित रूप से सफाई और सादगीपूर्ण जीवनशैली अपनाना लाभदायक माना गया है।

4. घर में कलह और कटुता बनाए रखना

किसी भी परिवार की असली ताकत उसके सदस्यों के बीच प्रेम, विश्वास और समझ होती है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि जिस घर में हर छोटी बात पर झगड़ा, कटु वचन और तनाव बना रहता है, वहां सुख और समृद्धि अधिक समय तक टिक नहीं पाती। ऐसे में जरूरी है कि मतभेद होने पर भी संवाद, धैर्य और समझदारी से समाधान निकाला जाए। प्रेम और सौहार्द का वातावरण ही वास्तविक समृद्धि का आधार होता है।

गंगा के उद्गम की कथा

डा. श्रीगोपालनारसन

पुराणों में गंगा के उदगम की एक अनूठी कहानी है। एक बार माता पार्वती ने स्वप्न देखा कि भगवान शिव पीले वस्त्रों में विवाह मण्डप में खड़े किसी कन्या का वरण कर रहे हैं। माता पार्वती ने अपनी सखी से इस स्वप्न का कारण और फल जानना चाहा तो सखी ने कहा कि सुबह के समय देखा गया स्वप्न सच होता है। स्वप्न से तो लगता है कि शिव ने गंगा का ही वरण किया होगा।

इतना सुनते ही पार्वती ने अपनी बहन गंगा को देवलोक छोड़कर धरती पर चले जाने का आदेश दे दिया और उन्हें धरती पर धकेल दिया। गंगा धरती पर आ रही थी। तभी भगवान शिव आए और उन्होंने गंगा की जल धारा को अपनी जटा में ले लिया। तभी से गंगा भगवान शिव की जटा से होकर धरती पर गंगोत्री में अवतरित हुईं।

राधाकृष्ण की महारास लीला से स्वर्ग में जन्मी मां गंगा भगीरथ की तपस्या से खुश होकर जनकल्याण के लिए बैशाख मास के शुक्ल पक्ष सप्तमी को स्वर्ग का सुख छोड़कर भगवान शिव की जटाओं से होती हुई धरती पर आई।

कहा जाता है कि मां गंगा के ही भरोसे भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष का पान किया था ताकि गंगा की शीतलता उन्हें विष के ताप से मुक्त कर सके। जिस गंगा ने भगवान शिव की जटाओं में आकर उन्हें शीतलता प्रदान की, वही गंगा आम भक्तों के लिए भी मोक्षदायिनी है। तभी तो गंगा की गोद में डुबकी लगाते ही भक्त अपने को पापमुक्त समझने लगता है। (युवराज)

व्रत - त्यौहार

10.07.2026 : योगिनी एकादशी व्रत, देवराहा बाबा पुण्यतिथि

12.07.2026 : प्रदोष व्रत महाशिवरात्रि व्रत

संजीव जैन को उत्तर कोरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया

नयी दिल्ली: भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारी संजीव जैन को उत्तर कोरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया, ''भारतीय विदेश सेवा के 2008 बैच के अधिकारी संजीव जैन को उत्तर कोरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वह काबो वर्दे गणराज्य में भारत के राजदूत हैं।' बयान में कहा गया है कि जैन जल्द अपना नया कार्यभार संभालेंगे।

बांग्लादेश की आपत्ति के कारण असम में 4.35 किलोमीटर सीमा पर नहीं लग सकी बाड़: सरकार

गुवाहाटी: असम सरकार ने सोमवार को कहा कि पड़ोसी देश के सीमा रक्षकों की आपत्तियों के कारण बांग्लादेश के साथ राज्य की सीमा के 4.35 किलोमीटर हिस्से पर कंटीली बाड़ नहीं लगाई जा सकी है। इसके साथ ही, नदी क्षेत्र होने के कारण सीमा के 34.609 किलोमीटर हिस्से पर भी कोई बाड़ नहीं है। असम के सीमा संरक्षण और विकास मंत्री अतुल बोरा ने यह जानकारी दी। असम गण परिषद (अगप) की विधायक दीप्तिमयी चौधरी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बोरा ने बताया कि धुबरी, दक्षिण सालमारा-मानकाचार, कछार और श्रीभूमि जिलों में फैली कुल 267.5 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा में से 228.541 किलोमीटर हिस्से पर कंटीली बाड़ लगाने का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, ''बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की आपत्तियों के कारण सीमा के 4.35 किलोमीटर हिस्से पर बाड़ लगाने का काम नहीं किया जा सका। श्रीभूमि जिले में कुशियारा नदी के तट पर स्थित इस हिस्से में भारतीय नागरिक रहते हैं।''

इसरो मुख्यालय को फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला

बेंगलुरु: बेंगलुरु स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मुख्यालय को सोमवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने यह जानकारी दी। तलाशी के दौरान हालांकि कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिससे यह संदेश फर्जी साबित हुआ। कुछ दिन पहले भी मुख्यालय को इस तरह की धमकी मिली थी जो बाद में अफवाह साबित हुई। पुलिस ने बताया कि धमकी की सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी, श्वान दस्ता और बम निरोधक दस्ता न्यू बीईएल रोड स्थित इसरो के परिसर में पहुंचे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया गया और इमारत की गहन तलाशी ली गई। पुलिस ने बताया कि जिस ईमेल से धमकी भेजी गई थी संजय नगर थाना पुलिस उसके स्रोत की जांच कर रही है और यह भी पता लगा रही है कि क्या इसका दो जुलाई को भेजे गए फर्जी ईमेल से कोई संबंध है।

लाल किला विस्फोट मामला : एनआईए ने अदालत में 11 मृतकों की फॉरेंसिक रिपोर्ट दाखिल की

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पिछले वर्ष लाल किला क्षेत्र में कार बम विस्फोट मामले में मारे गए 11 लोगों से संबंधित फॉरेंसिक रिपोर्ट सोमवार को अदालत में दाखिल की। अदालत से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह रिपोर्ट विशेष न्यायाधीश पीतांबर दत्त की अदालत में पेश की गई। अब अदालत रिपोर्ट की जांच करेगी और उसके बाद इस संबंध में आगे के आदेश जारी करेगी। इस बीच, अदालत ने मामले के नौ आरोपियों की न्यायिक हिरासत 13 जुलाई तक बढ़ा दी है। इससे पहले 14 मई को एनआईए ने पिछले वर्ष 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले वाहन में लगे उच्च तीव्रता वाले आईईडी (संवर्धित विस्फोटक उपकरण) विस्फोट मामले में 7,500 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था। पिछले महीने एनआईए ने इस मामले में तीन और लोगों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। इनमें एक फरार बाल रोग विशेषज्ञ भी शामिल है, जिसकी पहचान एक आतंकी मॉड्यूल के संस्थापक सदस्य के रूप में की गई है। इन लोगों पर वाहन में विस्फोटक रखकर किए गए बम धमाके में शामिल होने का आरोप है। इसके साथ ही इस मामले में कुल 13 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं। इनमें मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी भी शामिल है, जो विस्फोटकों से लदी कार चला रहा था और धमाके में उसकी भी मौत हो गई थी।

मानसून का कहर: महाराष्ट्र और हिमाचल में चार लोगों की मौत, ओडिशा में अलर्ट

नयी दिल्ली : मानसून ने सोमवार को देश के कई हिस्सों में कहर बरपाया। महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश में बारिश से जुड़ी घटनाओं में लोगों की जान गई, रेल और सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ, भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं सामने आईं तथा ओडिशा के कई कस्बे जलमग्न हो गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कई राज्यों में भी भारी बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। महाराष्ट्र के पुणे में बारिश से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत के साथ पिछले तीन-चार दिन में राज्य में ऐसी घटनाओं में कुल 13 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में सोमवार को 14 वर्षीय एक लड़की की उस समय मौत हो गई, जब वह पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आ गई। यह घटना उस वक्त हुई जब वह एक वाहन में सवार थी। लगातार तीसरे दिन भी मूसलाधार बारिश के कारण ओडिशा में पूरे राज्य में अलर्ट जारी रहा। आईएमडी ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ के लिए 'रेड अलर्ट' जारी करते हुए तेज हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। शहर का रेल नेटवर्क बुरी तरह प्रभावित होने के कारण मुंबई में जनजीवन लगभग ठहर गया। कर्जत-लोनावला के भोर घाट खंड में कई स्थानों पर भूस्खलन होने के कारण मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे को तब बंद कर दिया गया जब सड़क पर कंक्रीट का एक खंभा गिर गया, जबकि पुराना मुंबई-पुणे हाईवे भी कई जगहों पर पानी भर जाने के कारण बंद कर दिया गया। मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर पर पश्चिम रेलवे की सेवाएं भी जलभराव के कारण प्रभावित रहीं, जिससे 40 से अधिक ट्रेन सेवाओं पर असर पड़ा। कम से कम 10 ट्रेन रद्द करनी पड़ीं, जबकि आठ ट्रेन का समय पुनर्निर्धारित किया गया। इसके अलावा कई ट्रेन के मार्ग बदले गए या उन्हें निर्धारित गंतव्य से पहले ही समाप्त कर दिया गया। लंबी दूरी की 20 से अधिक ट्रेन विभिन्न स्थानों पर फंसी रहीं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्थिति की समीक्षा की और मध्य रेलवे तथा पश्चिम रेलवे के अधिकारियों को रेल सेवाएं जल्द बहाल करने के लिए राहत एवं मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रशासन ने निजी कार्यालयों के कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह दी है, जबकि गैर-आवश्यक सरकारी और अर्ध-सरकारी संस्थानों के लिए आधे दिन की छुट्टी घोषित की गई। पुणे जिले की मावल तहसील में भूस्खलन के कारण एक मकान मलबे में दब गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, खेड़ तहसील में जलमग्न सड़क पर बह जाने से एक अन्य व्यक्ति की जान चली गई। मुंबई से सटे ठाणे में एक उखड़े हुए विशाल पेड़ को हटाने के दौरान एक अग्निशमन कर्मी घायल हो गया। इसके अलावा, होर्डिंग गिरने और दीवार ढहने की अलग-अलग घटनाएं भी सामने आईं। पड़ोसी पालघर जिले में तेज हवाओं के कारण एक आवासीय विद्यालय में टिन की छत वाले शेड उड़ गए और कई पेड़ उखड़ गए। हालांकि, विद्यालय के सभी 350 छात्र सुरक्षित बताए गए हैं। पालघर जिले के कुछ हिस्सों में मात्र दो घंटे के भीतर लगभग 300 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति और गंभीर हो गई तथा यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। मौसम की स्थिति और अधिक बिगड़ने के बाद आईएमडी ने मुंबई के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' को बढ़ाकर 'रेड अलर्ट' कर दिया। मौसम विभाग ने भारी से बहुत भारी बारिश, 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने, निचले इलाकों में जलभराव, भूस्खलन तथा परिवहन और नागरिक सेवाओं में व्यवधान की चेतावनी जारी की है। भारी बारिश के कारण महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। वहीं, बंबई उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि यदि वे खराब मौसम के कारण अदालत नहीं पहुंच पाते हैं, तो उनके मामलों में कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारी बारिश को अप्रत्याशित स्थिति बताया और कहा कि आपदा प्रबंधन एजेंसियां पूरी तरह से सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि जहां आम तौर पर पूरे मानसून में लगभग 800 पेड़ गिरते हैं, वहीं रविवार को ही करीब 350 पेड़ गिर गए। हिमाचल प्रदेश में भी वर्षा जनित घटना में एक मौत दर्ज की गई। राज्य में रातभर हुई भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने की घटनाएं हुईं और चंबा तथा कुल्लू जिलों में कई प्रमुख सड़कें अवरुद्ध हो गईं। लगातार बारिश के कारण जलाशय का जलस्तर बढ़ने पर अधिकारियों ने पार्वती पावर स्टेशन-तीन के जलाशय से सैंज नदी में नियंत्रित तरीके से अतिरिक्त लगभग 50 क्यूमेक पानी छोड़े जाने का आदेश दिया। अधिकारियों के अनुसार, मंडी जिले के जोगिंदरनगर में सबसे अधिक 97 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। इसके बाद कांगड़ा में 74.8 मिमी, पालमपुर में 35.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मंगलवार को कांगड़ा, मंडी, शिमला और सोलन में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है। ओडिशा में सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी बारिश होती रही।

'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' केवल नारे बनकर रह गए हैं: राहुल

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की दो प्रमुख पहल 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' केवल नारे बनकर रह गई हैं तथा उसकी 'एमएसएमई विरोधी नीतियां' इन उद्योगों का गला घोंट रही हैं। कांग्रेस नेता ने जयपुर में स्थानीय बस और ट्रक बॉडी बिल्डर्स की फैक्ट्री का दौरा करने के बाद अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा कि फैक्ट्रियों में मेहनत और हुनर से भारत का भविष्य गढ़ने वाले कारीगर देश की अर्थव्यवस्था और परिवहन व्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में परिवहन मंत्रालय द्वारा बनाए गए कुछ नियम देशभर के छोटे बस और ट्रक बॉडी निर्माण उद्योगों के लिए मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि बसों में तकनीकी खराबी के कारण लगने वाली आग का दोष उन बॉडी बिल्डर्स पर मढ़ा जा रहा है, जबकि उनका काम केवल वाहनों की बॉडी तैयार करना है। राहुल गांधी ने कहा कि जिन एमएसएमई को प्रोत्साहन और सहारा मिलना चाहिए, उनकी गतिविधियों पर ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियां छोटे उद्योगों के हितों के अनुरूप नहीं हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यदि ऐसी फैक्ट्रियां बंद होती हैं तो केवल कारोबार ही प्रभावित नहीं होगा, बल्कि पारंपरिक हुनर बिखरेगा, रोजगार के अवसर कम होंगे और इसका असर आम लोगों पर बढ़ती महंगाई के रूप में भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसकी सबसे अधिक कीमत मेहनतकश और हुनरमंद भारतीयों को चुकानी पड़ेगी। राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने राजस्थान के स्थानीय बस और ट्रक बॉडी बिल्डर्स से मुलाकात की, जहां उन्हें ऐसा भारत देखने को मिला जो अपने हाथों से रोजगार भी बनाता है और देश की रफ्तार भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि इन कारीगरों की विश्वस्तरीय कारीगरी को सम्मान और सहयोग मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें नियमों के बोझ तले काम बंद करने पर मजबूर किया जा रहा है।

स्टील्थ युद्धपोत महेंद्रगिरि को 11 जुलाई को नौसेना में किया जाएगा शामिल

नयी दिल्ली : सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों सहित उन्नत हथियारों तथा अत्याधुनिक सेंसर प्रणाली से लैस स्वदेशी स्टील्थ युद्धपोत महेंद्रगिरि को 11 जुलाई को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा डिजाइन किए गए और मुंबई की मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित 'महेंद्रगिरि' परियोजना 17ए के तहत नीलगिरि श्रेणी का छठा युद्धपोत है। उन्होंने बताया कि यह वायु रोधी, सतह रोधी और पनडुब्बी रोधी अभियानों को अंजाम देने की क्षमता है। उन्होंने बताया कि यह समुद्री सुरक्षा, शक्ति प्रदर्शन, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर), खोज एवं बचाव तथा समुद्र में लंबे समय तक तैनाती जैसे अभियानों के लिए भी उपयुक्त है। अधिकारी ने कहा, ''यह युद्धपोत स्वदेशी और अत्याधुनिक हथियारों एवं सेंसरों से लैस है। इसमें सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियां, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्धक क्षमता, व्यापक पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली तथा एकीकृत युद्ध प्रबंधन प्रणाली शामिल है।'

असम में 1.72 लाख अवैध विदेशियों की पहचान की गई; 31,789 को वापस भेजा गया: हिमंत

गुवाहाटी: असम सरकार ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि असम समझौते के प्रावधानों के तहत अब तक 1.72 लाख से अधिक अवैध विदेशियों की पहचान की गई और इनमें से 31,789 लोगों को वापस भेजा गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम गण परिषद (एजीपी) की विधायक दीप्तिमयी चौधरी के सवाल के लिखित जवाब में बताया कि असम में अवैध रूप से रह रहे कुल 1,72,673 विदेशियों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब तक 31,789 अवैध विदेशियों को असम से वापस भेजने में सफल रही है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये लोग किन देशों के नागरिक थे। शर्मा ने बताया कि इनमें से 470 लोगों को निर्वासित किया गया, 29,663 को सीमा पार वापस भेजा गया, 1,572 लोगों को केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार वापस भेजा गया और 84 लोगों को निष्कासित किया गया। राज्य के गृह विभाग का प्रभार भी संभाल रहे शर्मा ने कहा कि इसके अलावा 73,759 अन्य संदिग्ध अवैध विदेशियों के मामले विदेशी (नागरिक) न्यायाधिकरणों में लंबित हैं। असम समझौते के अनुसार, 25 मार्च 1971 या उसके बाद असम आने वाले सभी विदेशियों की पहचान की जानी है, उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने हैं और उन्हें निर्वासित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वर्तमान में, 174 विदेशी नागरिकों को गोलपाड़ा स्थित पारगमन शिविर (ट्रांजिट कैंप) में रखा गया है। पारगमन शिविर को पहले निरुद्ध केंद्र कहा जाता था।

माझी और वैष्णव ने पुरी-कोरापुट, ब्रह्मपुर-उधना एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

भुवनेश्वर: ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को पुरी और कोरापुट के बीच नयी एक्सप्रेस रेल सेवा और दैनिक ब्रह्मपुर-उधना (सूरत) अमृत भारत एक्सप्रेस को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाई। इन ट्रेन को पुरी और ब्रह्मपुर स्टेशन से विशेष कार्यक्रमों के दौरान राज्य के परिवहन मंत्री विभूति भूषण जेना, सांसदों, विधायकों और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पुरी-कोरापुट एक्सप्रेस स्पेशल की शुरुआत पुरी रेलवे स्टेशन से की गई, जबकि ब्रह्मपुर-उधना (सूरत) स्पेशल की शुरुआत ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशन से की गई, जिससे मौजूदा समय में साप्ताह में तीन दिन चलने वाली इस सेवा के दैनिक संचालन की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री माझी ने पुरी में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में इस रेल सेवा की शुरुआत को राज्य के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'आज पुरी और पूरे ओडिशा के लिए ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि श्रीक्षेत्र पुरी से सबर श्रीक्षेत्र कोरापुट के बीच नयी रेल सेवा शुरू हुई है।'' उन्होंने इस सेवा की शुरुआत के लिए वैष्णव का आभार भी व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पुरी रेलवे स्टेशन का 184 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। क्योंझर जिले से आने वाले माझी ने उत्तर ओडिशा से भी इसी तरह की रेल सेवा शुरू करने का अनुरोध किया। इस पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए रेल मंत्री ने घोषणा की कि उत्तर ओडिशा को पुरी से जोड़ने वाली नयी रेल सेवा जल्द शुरू की जाएगी। सभा को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि तटीय ओडिशा को राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों से दिन के समय जोड़ने वाली रेल सेवा की लंबे समय से मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा, भुवनेश्वर से कोरापुट के लिए केवल हीराखंड एक्सप्रेस चलती है और वह भी रात में। इसलिए दिन के समय रेल सेवा की मांग थी। वैष्णव ने कहा, ओडिशा के मुख्यमंत्री ने भी इस संबंध में मुझे पत्र लिखा था। भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तटीय, पश्चिमी और दक्षिणी ओडिशा के कई जिलों को जोड़ने वाली पुरी-कोरापुट रेल सेवा को मंजूरी दी है। रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पांच वर्षों में ओडिशा के रेलवे क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश का वादा किया था और पिछले दो वर्षों में राज्य में लगभग 97,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष यह लक्ष्य पूरा हो जाएगा।

शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों की तलाश तीसरे दिन भी जारी

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय आतंकवादियों की तलाश के लिए चलाया गया अभियान सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के एक घने बाग में घिरे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि इन आतंकवादियों को शुक्रवार को मीमंदर इलाके (जिसमें सात गांव आते हैं) के एक बाग में लगाए गए कैमरों में देखा गया, जिसके बाद इनका पता लगाने के लिए तड़के तलाशी अभियान को फिर से शुरू किया गया। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कई टुकड़ियों की एक संयुक्त टीम ने इलाके में सख्त घेराबंदी की और रविवार शाम तक चार गांवों को खाली करा लिया। उन्होंने बताया कि दोनों आतंकवादियों की पहचान लतीफ और जाकिर के रूप में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि जब सेना के जवान आगे बढ़े तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवानों और उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षा रिकॉर्ड के अनुसार, बाग में फंसे हुए दोनों आतंकवादी दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के रहने वाले हैं। जाकिर 2024 से कथित तौर पर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है, जबकि लतीफ पिछले वर्ष संगठन में शामिल हुआ था। शोपियां ऐतिहासिक रूप से दक्षिण कश्मीर को मध्य कश्मीर और पीर पंजाल रेंज से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण पारगमन मार्ग रहा है। अधिकारियों ने कहा कि हालांकि हमलों के लिए विदेशी आतंकवादियों का उपयोग बढ़ा है, लेकिन लतीफ और जाकिर जैसे स्थानीय आतंकियों को रोकना लॉजिस्टिक नेटवर्क को बाधित करने और इन संगठनों में स्थानीय भर्ती पर अंकुश लगाने के लिए महत्वपूर्ण है।

आरेडिका में हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता-2026 का आयोजन, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

रायबरेली: हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति और प्रभावी प्रस्तुति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आरेडिका के राजभाषा विभाग की ओर से हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आरेडिका के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि सभी प्रतिभागियों ने मंच से अपनी मौलिक (स्व-रचित) कविताओं का पाठ किया। उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को निर्णायक मंडल एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के साथ तीन प्रेरणा पुरस्कार भी प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल में मुख्य सामग्री प्रबंधक कृष्ण कुमार कनौजिया एवं मुख्य गुणवत्ता प्रबंधक ओमकार शरण सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन, जनसंपर्क अधिकारी अनिल श्रीवास्तव सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

केजरीवाल पर रेखा गुप्ता का पलटवार, कहा उनका अहंकार अब भी सातवें आसमान पर

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनका अहंकार अब भी सातवें आसमान पर है। केजरीवाल ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पोस्ट को साझा करते हुए लिखा था कि आप कौन हैं। इससे दोनों दलों के बीच एक नया राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भाजपा अध्यक्ष पर उस समय तंज कसा था, जब नवीन ने हिंदू देवी-देवताओं के अपमान पर चुप रहने के लिए विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख का समर्थन करते हुए गुप्ता ने कहा कि नवीन ने लगातार चार बार बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता के रूप में संघर्ष करते हुए उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का सफर तय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अब राज्यसभा के सदस्य हैं। गुप्ता ने दावा किया कि केजरीवाल हताश और निराश हैं। गुप्ता ने रविवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, आपका (केजरीवाल का) अहंकार अब भी सातवें आसमान पर है। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एक बार अमित शाह कौन हैं? पूछे जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, समय हर सवाल का जवाब देता है और रावण का अहंकार भी नहीं टिक सका था।

पुलिस ने पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी गिरोह के दो 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ किया, छह

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े पाकिस्तान समर्थित दो कथित 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से पेट्रोल बम, पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि एक 'मॉड्यूल' को पाकिस्तान स्थित आकाओं ने पेट्रोल बम का उपयोग कर दिल्ली में आतंकवादी हमला करने का काम सौंपा था, जबकि दूसरा कथित तौर पर ड्रोन से सीमा पार से भारत में तस्करी किए गए हथियारों को प्राप्त करने और उन्हें बेचने में शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को शहजाद भट्टी के पाकिस्तान स्थित सहयोगियों द्वारा निर्देशित किया जा रहा था और वे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस' (आईएसआई) के इशारे पर काम कर रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशेष प्रकोष्ठ की टीमों ने दोनों 'मॉड्यूल' को भंडाफोड़ किया और अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं। पुलिस के मुताबिक, पहला 'मॉड्यूल' पाकिस्तान स्थित राणा हुनैन द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो भट्टी का कथित सहयोगी है। अधिकारी ने कहा, इसे पेट्रोल बमों का इस्तेमाल कर कथित तौर पर दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान या पुलिस प्रतिष्ठान पर हमला करने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के निवासी दो आरोपियों- दानिश उर्फ चांद मिया (24) और सलमान (20) को साजिश को अंजाम देने से पहले दिल्ली के विजय घाट इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से तीन पेट्रोल बम, चोरी की एक मोटरसाइकिल, 2,000 रुपये नकद और मोबाइल फोन बरामद किए गए जिनमें पाकिस्तानी आकाओं के साथ कथित बातचीत, तस्वीरें और वीडियो हैं। पुलिस के मुताबिक, दानिश ने खुलासा किया कि वह इस साल अप्रैल में सोशल मीडिया के माध्यम से राणा हुनैन के संपर्क में आया था और उसे दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और पुलिस प्रतिष्ठानों सहित संभावित लक्ष्यों की टोह लेने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने कहा कि हमले को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद उसे 20,000 रुपये देने का वादा किया गया था और वह पाकिस्तान में बैठे अपने आका से फोन पर निर्देश प्राप्त कर रहा था। पुलिस ने कहा कि दानिश का दोस्त सलमान उसके साथ दिल्ली आया था और उसे हमले के वीडियो रिकॉर्ड करने की भूमिका सौंपी गई थी। उसे भी 20,000 रुपये देने का वादा किया गया था। पुलिस ने कहा कि दूसरा 'मॉड्यूल' सीमा पार हथियार तस्करी गिरोह से जुड़ा है, जिसे पाकिस्तान स्थित एक अन्य आका हसन गुज्जर द्वारा संचालित किया जा रहा था। इसके भी भट्टी से जुड़े होने का दावा किया जाता है। अधिकारी ने कहा, गिरोह को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से भारत में तस्करी किए गए अत्याधुनिक हथियारों की खेप मिली। इन हथियारों की बिक्री से प्राप्त पैसे से देश में आतंक और आपराधिक गतिविधियों को वित्त-पोषित करना था। पुलिस ने कहा कि 'मॉड्यूल' के तीन सदस्यों - दिल्ली के शाहीन बाग के तैय्यब (27), गाजियाबाद के जुबैर खान (24) और मेरठ के अली फ़ज़ल (26) को कालिंदी कुंज इलाके से गिरफ्तार किया गया और उनके पास से तीन पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद किए गए। 'मॉड्यूल' के चौथे आरोपी मल्कियत सिंह (36) को बाद में पंजाब के अमृतसर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कथित तौर पर आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई दो कारों को जब्त कर लिया। इसके अलावा मोबाइल फोन भी मिले हैं जिनमें बातचीत, तस्वीरें और वीडियो हैं जो उन्हें पाकिस्तानी आका से कथित तौर पर जोड़ते हैं। पुलिस ने कहा कि तैय्यब ने सोशल मीडिया के माध्यम से गुर्जर के साथ संपर्क स्थापित किया था और उसे भारत में तस्करी किए गए हथियारों की आवाजाही और बिक्री की व्यवस्था करने का काम सौंपा गया था।

बिश्नोई की जगह तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में तेज गेंदबाज को मिल सकती है जगह

नॉटिंघम : ब्रिटेन दौरे पर अब तक जीत का स्वाद चखने में नाकाम रही भारतीय टीम मंगलवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में संयोजन में बदलाव कर सकती है। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में टीम प्रबंधन अतिरिक्त तेज गेंदबाज को अंतिम एकादश में शामिल करने पर विचार कर रहा है, जबकि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की जगह खतरे में दिखाई दे रही है। अय्यर की कप्तानी में भारत अब तक चार में से तीन मुकाबले हार चुका है। इनमें आयरलैंड के खिलाफ 0-2 की शर्मनाक श्रृंखला हार भी शामिल है। ऐसे में टीम के लिए तीसरा टी20 'करो या मरो' जैसा मुकाबला बन गया है।

मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 में बिश्नोई पूरी तरह लय से बाहर नजर आए। उन्होंने तीन 'बैक-फुट नो-बॉल' फेंकी और पारी के 17वें ओवर में 29 रन लुटाए। चार ओवर में बिना विकेट लिए 60 रन खर्च करने के बाद उनकी टीम में जगह पर सवाल उठने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जब अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती पहले से मौजूद थे, तब ओल्ड ट्रैफर्ड की परिस्थितियों में तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर की जरूरत नहीं थी। ट्रेंट ब्रिज की परिस्थितियों को देखते हुए बिश्नोई का अंतिम एकादश में शामिल होना मुश्किल माना जा रहा है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को मौका मिल सकता है। स्विंग और पिच से अतिरिक्त हरकत हासिल करने की उनकी क्षमता उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर विकल्प बनाती है, जिनकी 'बैक-ऑफ-द-लेंथ' गेंदें टी20 क्रिकेट में अपेक्षाकृत आसान साबित होती हैं। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पिछले मैच में शुरुआती ओवर में दो विकेट समेत कुल तीन विकेट झटके थे, लेकिन इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक द्वारा उनके एक ओवर में बनाए गए 27 रन भी भारत की हार का बड़ा कारण बने। इंग्लैंड ने 191 रन का लक्ष्य एक ओवर शेष रहते हासिल कर लिया था। ट्रेंट ब्रिज की बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से एक बार फिर आक्रामक पारी की उम्मीद होगी। उनके साथ शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा भारतीय पारी की सबसे बड़ी उम्मीद हैं। पिछले छह महीनों से आईपीएल समेत अधिकांश मुकाबले सपाट विकेटों पर खेलने वाली भारतीय बल्लेबाजी इकाई इंग्लैंड की अतिरिक्त उछाल, गेंद की हरकत और सैम कुरन जैसे गेंदबाजों की विविधताओं के सामने संघर्ष करती दिखी है।

जिम्बाब्वे टी20 श्रृंखला से सैमसन बाहर, यश, अशोक और प्रभसिमरन पहली बार टीम में

नयी दिल्ली : विश्व कप विजेता विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस महीने के आखिर में जिम्बाब्वे में होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है जबकि चयनकर्ताओं ने पहली बार तेज गेंदबाज यश ठाकुर और अशोक शर्मा को चुना है। भारतीय टीम 23, 25 और 27 जुलाई को हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलेगी। इंग्लैंड में चल रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के दूसरे मैच में सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में चुना गया। सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनों टी20 और इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में नाकाम रहे थे। उनकी जगह अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने पंजाब के विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन को भी पहली बार टीम में चुना है। तेज गेंदबाज मयंक यादव की 2024 के बाद टीम में वापसी हुई है।

महिला क्रिकेट स्वर्णिम युग में है: आईसीसी अध्यक्ष जय शाह

लंदन : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया का इंग्लैंड को हराकर सातवां आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब जीतने के बाद कहा कि महिला क्रिकेट अपने स्वर्णिम युग में चल रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और उसे चार विकेट पर 150 रन ही बनाने दिए। इसके बाद उसने 17.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया। बाद में शाह ने ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनी को ट्रॉफी प्रदान की। शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, ''क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उनके सातवें आईसीसी महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड क्रिकेट को भी उपविजेता बनने पर बहुत-बहुत बधाई।'' उन्होंने कहा, ''इस टूर्नामेंट ने हमें याद दिलाया कि महिला क्रिकेट क्यों देखने लायक है। शुरू से अंत तक शक्ति, जुनून और उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन देखने को मिला। दोनों टीमों और इस विश्व कप को इतना खास बनाने वाले सभी लोगों का आभार। महिला क्रिकेट स्वर्णिम युग में है।''

भारत ने अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में चार स्वर्ण सहित 20 पदक जीते

पटाया : भारतीय पहलवानों ने अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण सहित 20 अपने नाम किये जिसमें सात रजत और नौ कांस्य पदक शामिल है। भारत ने चैंपियनशिप के महिला कुश्ती और पुरुष फ्रीस्टाइल में ओवरऑल टीम रैंकिंग में भी शीर्ष तीन में जगह पक्की की। महिला कुश्ती में भारतीय टीम 184 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही जो चैंपियन चीन (189 अंक) से थोड़ा ही कम था। जापान (142 अंक) तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल टीम 152 अंकों तीसरे स्थान पर रही। उससे आगे विजेता कजाकिस्तान (170) और ईरान (164) रहे। महिला वर्ग में परवीन (50 किग्रा), मुस्कान (53 किग्रा) और काजल (76 किग्रा) ने स्वर्ण पदक के साथ भारतीय चुनौती की अगुवाई की। मान्या राजपूत (57 किग्रा), सविता (62 किग्रा) और मनीषा (72 किग्रा) को चीन के पहलवानों के खिलाफ अपने-अपने फाइनल मुकाबले हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। काजल (55 किग्रा), कोमल (59 किग्रा) और मानसी लाथर (65 किग्रा) के कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। पुरुष फ्रीस्टाइल में सुमित कुमार लक्ष्मण भारास्कर ने 70 किग्रा वर्ग में भारत के लिए इकलौता स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कजाकिस्तान के सुंगकर सेदाखमेट के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 13-7 से जीत हासिल की। पुष्प (61 किग्रा), सौरभ यादव (79 किग्रा) और रौनक (125 किग्रा) को फाइनल में शिकस्त झेलने के बाद रजत पदक मिला जबकि रोहित (57 किग्रा), आदर्श युवराज पाटिल (74 किग्र) और लकी (97 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। इससे पहले ग्रीको-रोमन वर्ग में अक्षय राणा ने 97 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था। नीरज पटेल (55 किग्रा), अनुज (67 किग्रा) और धीरज कुमार मलिक (67किग्रा) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

जैस्मिन पाउलोनी ने एलेक्जेंड्रा ऐला को हराकर विंबलडन क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

लंदन : जैस्मिन पाउलोनी ने सोमवार को फिलिपींस की स्टार एलेक्जेंड्रा ऐला के ऐतिहासिक विंबलडन सफर को रोककर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जैस्मिन ने ऐला को महिला एकल के तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-4, 4-6, 6-3 से हराया। जैस्मिन ने सेंटर कोर्ट पर अपने आदर्श खिलाड़ी रोजर फेडरर की मौजूदगी में जीत दर्ज की। फेडरर रॉयल बॉक्स में बैठे थे। ऑल इंग्लैंड क्लब में 2024 की एकल उप विजेता इटली की जैस्मिन ने ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम में गर्मी भरे दिन 21 साल की ऐला को हराने के दौरान आक्रामक खेल दिखाया। तीस साल की जैस्मिन ने कोर्ट पर मैच के बाद कहा, ''वह मेरे आदर्श हैं। मैच के दौरान मैं खुद से कह रही थी, 'कृप्या करके एकाग्रता बनाए रखो, एकाग्रता बनाए रखो', यह मत सोचो कि वह यहां हैं। मैं यहां उनके खेले गए सभी फाइनल और टूर्नामेंट देखती रही हूं।'' तीसरे दौर में गत चैंपियन इगा स्वियातेक को हराने वाली ऐला अपने इस प्रदर्शन को दोहराने में नाकाम रहीं। ओपन युग में फिलिपींस की कोई अन्य खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम एकल टूर्नामेंट में इतनी आगे तक नहीं पहुंची है। तेरहवीं वरीय जैस्मिन का अगला मुकाबला सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक ने क्वालीफायर एशलिन क्रूगर को 6-4, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन के अंतिम आठ में जगह बनाई। चौबीस साल की यूक्रेन की खिलाड़ी कोस्त्युक ने मौजूदा सत्र में अमेरिका की खिलाड़ियों के खिलाफ सभी 10 मैच जीते हैं। पुरुष एकल में इटली के नौवें नंबर के खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली ने पांचवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर को 7-5, 7-6, 6-3 से हराया।

यह मेरा आखिरी विश्व कप: रोनाल्डो ने फिर से दोहराया

आर्लिंगटन (अमेरिका) : पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि यह उनके करियर का छठा और अंतिम फीफा विश्व कप होगा। वह फीफा विश्व कप के दौरान आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अपनी चिर-परिचित चुटीली शैली में पत्रकारों से रूबरू हुए लेकिन इस बातचीत के अंत में उनकी अर्जेंटीना के एक पत्रकार के साथ हल्की नोकझोंक भी देखने को मिली। स्पेन के खिलाफ़ प्री-क्वार्टर फ़ाइनल मुकाबले की पूर्व संध्या पर इस 41 साल के खिलाड़ी ने एक बार फिर उस बात को दोहराया, जिसका संकेत वह पहले भी दे चुके हैं।

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ''मेरे साथ सबसे बड़ी पूंजी लोगों का प्यार और उनसे जुड़ी यादें हैं। होटल में टीम स्टाफ और लैटिन अमेरिकी लोगों के साथ बिताए पल मेरी सबसे खूबसूरत स्मृतियों में शामिल हैं। कल उड़ान के दौरान अर्जेंटीना की एक एयर होस्टेस मिली। मैंने उसके मुझे देखने के अंदाज़ से ही पहचान लिया कि वह अर्जेंटीना की है। मैंने उससे कहा, 'तुम जिस तरह मुझे देख रही हो, उससे समझ गया कि तुम अर्जेंटीना से हो। अगर कोई मुझे देखकर तुरंत नजरें फेर ले, तो मैं समझ जाता हूं कि उसे क्रिस्टियानो पसंद नहीं है'।'' मैनचेस्टर यूनाइटेड और रियाल मैड्रिड स्टार के इस पूर्व स्टार ने कहा, ''मैं अपने आखिरी विश्व कप के हर पल का भरपूर आनंद लेना चाहता हूं। उम्मीद है कि कल मेरा अंतिम मैच नहीं होगा, ताकि आप लोग मेरी आलोचना कुछ और दिन तक करते रहें।''

नेमार ने ब्राजील के विश्व कप से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा

ईस्ट रदरफोर्ड : स्टार स्ट्राइकर नेमार ने रविवार को ब्राजील के विश्व कप से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। ब्राज़ील अंतिम 16 के मैच में नॉर्वे से 2-1 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया जिसके बाद नेमार ने यह घोषणा की। नेमार ने कहा, ''मैंने अपनी तरफ से प्रयास किए। इसकी शुरुआत मेटलाइफ स्टेडियम से हुई थी और यहीं पर इसका अंत हुआ। अब यह सब खत्म हो चुका है।'' इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने नौ अगस्त 2010 को इसी स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ मैत्री मैच से अपने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने नॉर्वे के खिलाफ बेंच से मैदान में उतरने के बाद अंतिम मिनटों में पेनल्टी किक पर गोल किया। दाहिनी पिंडली में चोट के कारण नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से केवल दो में ही खेल पाए। ग्रुप चरण में वह स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ 15 मिनट के लिए मैदान पर उतरे थे। एक दशक से अधिक समय तक ब्राज़ील के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे नेमार हाल के वर्षों में चोटों से जूझते रहे, जिससे वह अपनी पूरी क्षमता से नहीं खेल पा रहे थे। ब्राज़ील फुटबॉल की जिम्मेदारी अब अगली पीढ़ी संभाल रही है। कप्तान मार्किनहोस ने कहा, ''हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे नई पीढ़ी के साथ धैर्य रखें और शुरू से ही उनका समर्थन करें।''

जीत के बाद जश्न में डूबा नॉर्वे, प्रशंसकों के नूरे नजर बने हालैंड

ईस्ट रदरफोर्ड : पांच बार के चैम्पियन ब्राजील पर 2-1 से मिली जीत में दोनों गोल करने वाले एर्लिंग हालैंड का मन नॉर्वे की गलियों में घूम रहा है जहां हजारों की तादाद में फुटबॉलप्रेमी साथ में 'वाइकिंग रो' जश्न मना रहे हैं। हालैंड ने इस असाधारण जीत के बाद कहा ,'' नॉर्वे की सड़कों को देखो। मैने पहले ऐसा कभी नहीं देखा। काश मैं ओस्लो में होता और उन लोगों के साथ जश्न मना रहा होता। '' लेकिन नॉर्वे फुटबॉल टीम के लिये अच्छा है कि वह अमेरिका में हैं और फीफा विश्व कप में दनादन गोल करके 55 लाख के करीब आबादी वाले अपने देश को जश्न मनाने के मौके लगातार दे रहे हैं। हालैंड के इस विश्व कप में अब अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी और फ्रांस के किलियान एमबाप्पे के समान सात गोल हो गए हैं। ओस्लो में टाउन हॉल के बाहर चौक पर करीब 50000 प्रशंसक मौजूद थे जिन्होंने गले में नॉर्वे फुटबॉल का स्कार्फ पहन रखा था। नॉर्वे के युवराज हाकॉन रॉयल पैलेस के बाहर प्रशंसकों से मिले और मैच के बाद 'वाइकिंग रो' में भी हिस्सा लिया। अब दुनिया भर में लोकप्रिय हुए 'वाइकिंग रो' में सभी प्रशंसक जमीन पर एक लाइन में बैठ जाते हैं, मानो वे किसी पुरानी 'वाइकिंग लॉन्गबोट' (समुद्री नाव) में बैठे हों।

दुनिया को जोड़ने वाली अर्थव्यवस्था बन सकता है भारत : आनंद महिंद्रा

नयी दिल्ली : महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा है कि अगली वैश्विक व्यवस्था को ऐसे देश आकार दे सकते हैं जो विभाजित दुनिया में सभी को जोड़ने के लिए वैश्विक केंद्र (कनेक्टर) की भूमिका निभा सकें। ऐसे में भारत के पास देशों को जोड़ने वाली अर्थव्यवस्था बनने का अवसर है, जो वैश्विक विभाजन के बीच काम करते हुए विभिन्न देशों और बाजारों के बीच सेतु का काम करे। आनंद महिंद्रा ने महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की नवीनतम सालाना रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन वैश्विक परिस्थितियों को पहले अस्थायी बाधाएं माना जा रहा था, अब वे आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक संकट और प्रौद्योगिकी के

क्षेत्र में लंबे समय तक जारी रहने वाली समस्याओं के रूप में सामने आ रही हैं। महिंद्रा ने पिछले वर्ष मौजूदा स्थिति को 'समुद्र मंथन' यानी एक तरह की उथल पुथल का नाम दिया था। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट समेत हालिया घटनाएं यह दर्शाती हैं कि यह मंथन फिलहाल समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हमने उथल-पुथल के पहले दौर को पार किया है। अब हमें 'मंथन 2.0' के लिए तैयार रहना होगा। अनिश्चितता अब अपवाद नहीं बल्कि नियम बन गई है। अप्रत्याशित घटनाएं अब पुरानी अवधारणा हो चुकी हैं, क्योंकि अब पूरा परिदृश्य ही ऐसे अप्रत्याशित घटनाक्रमों से भरा हुआ है। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि अनिश्चितताओं के बीच भारत के लिए एक अहम वैश्विक अगुवा के रूप में उभरने का मौका हैं। महिंद्रा ने कहा, ''अगली वैश्विक व्यवस्था उन देशों द्वारा बनाई जा सकेगी जो बंटी दुनिया में अन्य देशों को जोड़ने वाला बन सकें। इससे भारत के लिए एक 'कनेक्टर इकॉनमी' बनने का मौका खुलता है, जो अलग-अलग समूहों के बीच काम कर सके। '' उन्होंने कहा, ''भारत का लोकतंत्र और राजनीतिक स्थिरता, चीन के विरुद्ध एक राजनीतिक और आर्थिक बफर के रूप में इसकी वैश्विक स्थिति, विशाल घरेलू बाजार तथा विभिन्न विचारों वाले समूहों के बीच उत्पन्न होने वाला भरोसा ये सभी मिलकर एक सेतु की तरह जोड़ने वाली अर्थव्यवस्था की परिभाषा बनाते हैं।''

फ्लाईडील ने हैदराबाद-रियाद उड़ान के साथ भारतीय परिचालन शुरू किया

हैदराबाद : सऊदी समूह की एयरलाइन फ्लाईडील ने हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने पहले विमान के पहुंचने के साथ ही भारत में अपनी उड़ान परिचालन की शुरुआत कर दी है। जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (जीएचआईएएल) ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि रियाद से हैदराबाद पहुंची फ़्लाईडील की उड़ान का यहां स्वागत किया गया। पहली उड़ान चार जुलाई को रियाद से यहां पहुंची। कंपनी के अनुसार, इस नई सेवा से हैदराबाद हवाई अड्डे की अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्र के रूप में बढ़ती पहचान को और मजबूती मिलेगी। साथ ही भारत और सऊदी अरब के बीच हवाई संपर्क भी बेहतर होगा। बयान में कहा गया है कि एयरलाइन कंपनी रियाद-हैदराबाद-रियाद मार्ग पर प्रतिदिन उड़ान का परिचालन करेगी। इसके लिए एयरबस ए320 विमान का उपयोग किया जाएगा।

भारत की ऊर्जा प्रणाली पर पड़ेगा अल नीनो का सबसे ज्यादा असर : रिपोर्ट

नयी दिल्ली : इस साल का अल नीनो का असर भारत की उर्जा प्रणाली पर दुनिया में सबसे अधिक देखने को मिलेगा। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के एक नए विश्लेषण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। अल नीनो मौसम का एक ऐसा चक्र है जो बार-बार आता है और जिससे दुनिया का तापमान बढ़ता है। भारत के सामने दोहरी चुनौती है -- अल नीनो की वजह से हवा और बारिश में कमी आने से टर्बाइन और पनबिजली उत्पादन तो घटेगा ही, साथ ही तापमान बढ़ने से एयर कंडीशनिंग (एसी) की मांग भी बढ़ेगी, जिसमें बहुत ज्यादा बिजली खर्च होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक साल के अंदर ठंडक प्रदान करने वाले उपकरणों से ज्यादा इस्तेमाल से अतिरिक्त मांग कुल मिलाकर 10 टेरावाट घंटे (टीडब्ल्यूएच) हो सकती है -- जो दिल्ली की सालाना बिजली खपत का एक चौथाई हिस्सा है।

'भारत टैक्सी' की तर्ज पर नई सहकारी जीवन बीमा कंपनी बनेगी: अमित शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को घोषणा की कि सहकारी संस्थाओं के कारोबार का दायरा बढ़ाने के लिए एक सहकारी जीवन बीमा कंपनी स्थापित की जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि 'भारत टैक्सी' की सेवाओं का विस्तार अगले दो साल में 500 शहरों तक किया जाएगा राष्ट्रीय राजधानी में सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने भारत के सहकारी तंत्र की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए पेशेवरों की नियुक्तियों में भ्रष्टाचार समाप्त करने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि मंत्रालय की स्थापना से भारत के सहकारी आंदोलन को नई ऊर्जा मिली है, जिसे कांग्रेस शासन के दौरान ''उपेक्षित आंदोलन'' बनाया गया था। भारत में लगभग 8.5 लाख सहकारी संस्थाएं हैं, जिनके 30 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। मंत्री ने

मंत्रालय की ओर से उठाए गए कदमों का उल्लेख किया, जिनमें सहकारी तंत्र में पारदर्शिता और पेशेवर व्यवस्था लाने के प्रयास शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि सहकारी मॉडल के तहत शुरू की गई कैब सेवा से जुड़े मंच 'भारत टैक्सी' का प्रदर्शन अच्छा रहा है और अगले दो वर्षों में इसका विस्तार 500 शहरों तक किया जाएगा। सहकारिता मंत्री ने कहा, '' 'भारत टैक्सी' की तर्ज पर हम सहकारी क्षेत्र में एक जीवन बीमा कंपनी स्थापित करेंगे। इससे बीमा क्षेत्र में सहकारी संस्थाओं के विकास में मदद मिलेगी। '' उन्होंने कहा कि उर्वरक क्षेत्र की सहकारी संस्था इफको का संयुक्त उद्यम इफको-टोकियो पहले से ही बीमा कारोबार में है। भारत में वर्तमान में 26 जीवन बीमा कंपनियां हैं। 'भारत टैक्सी' सहकारिता मॉडल पर आधारित चालक-केंद्रित परिवहन मंच सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड की एक पहल है। वर्तमान में भारत टैक्सी के साथ 6.37 लाख पंजीकृत चालक और 35.77 लाख पंजीकृत ग्राहक जुड़े हुए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह सेवा फिलहाल दिल्ली-एनसीआर, गुजरात, लखनऊ, चंडीगढ़, मुंबई, जयपुर और कानपुर में संचालित हो रही है। अगले कुछ महीनों में इसे रांची, पटना, गुवाहाटी, भोपाल, कोलकाता, इंदौर और नागपुर में भी शुरू किया जाएगा।

वाहनों की खुदरा बिक्री जून में 21.83 प्रतिशत बढ़कर 25.57 लाख इकाई : फाडा

नयी दिल्ली : देश में वाहनों की खुदरा बिक्री जून में सालाना आधार पर 21.83 प्रतिशत बढ़कर 25,57,234 इकाई हो गई। वाहन विक्रेता संघ फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री जून 2025 में 20,98,996 इकाई रही थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने बयान में कहा कि यात्री वाहनों (पीवी) की खुदरा बिक्री जून में 28.63 प्रतिशत बढ़कर 4,10,853 इकाई रही जो जून 2025 में 3,19,412 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.22 प्रतिशत बढ़कर 18,28,458 इकाई हो गई जबकि एक साल पहले इसी महीने यह 15,08,378 इकाई थी। फाडा के अनुसार, जून में तिपहिया वाहनों की बिक्री 1,04,035 इकाई से सालाना आधार पर 16.2 प्रतिशत बढ़कर 1,20,889 इकाई रही। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 16.88 प्रतिशत बढ़कर 90,972 इकाई हो गई, जबकि जून 2025 में यह 77,836 इकाई थी। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने कहा, ''भारतीय वाहन खुदरा कारोबार के लिए जून एक ऐतिहासिक महीना रहा। यह अब तक का सबसे बेहतर जून का महीना रहा जिसमें दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक वाहन, यात्री वाहन और कुल पंजीकरण सभी खंडों में अब तक का रिकॉर्ड प्रदर्शन दर्ज हुआ। '' जुलाई के परिदृश्य पर फाडा ने कहा कि उद्योग जगत के डीलर का रुख सकारात्मक बना हुआ है। 51.24 प्रतिशत डीलर को वृद्धि की उम्मीद है, 41.79 प्रतिशत बाजार के स्थिर रहने का अनुमान लगा रहे हैं, जबकि केवल 6.97 प्रतिशत को गिरावट की आशंका है। वाहन डीलर संगठन ने कहा, '' उम्मीदें इस बात पर टिकी हैं कि मानसून अपनी कमी पूरी करेगा, खरीफ बुवाई गति पकड़ेगी और पश्चिम एशिया में युद्धविराम तथा कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बाद आपूर्ति सामान्य बनी रहेगी। '' फाडा ने कहा, '' कुल मिलाकर जुलाई 2026 का परिदृश्य सतर्कतापूर्ण आशावादी दिखता है। त्योहारी मौसम से पहले मानसून की भरपाई और ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह प्रमुख कारक रहेंगे। '' बयान के अनुसार, यात्री वाहन खंड ने जुलाई में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और सीएनजी मॉडल की मजबूत बुकिंग तथा नए मॉडल पेश किए जाने के साथ प्रवेश किया है, जबकि माल ढुलाई तथा बुनियादी ढांचा गतिविधियों के चलते वाणिज्यिक वाहन खंड स्थिर रहने की संभावना है। वहीं मानसून सामान्य होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह में सुधार तथा ईवी और ईंधन-कुशल मॉडल की बढ़ती मांग से दोपहिया वाहन खंड को समर्थन मिलेगा।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी, सेंसेक्स 521 अंक चढ़कर दो माह के शीर्ष पर

मुंबई : दिग्गज बैंक शेयरों में खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच सोमवार को घरेलू शेयर बाजार दो माह के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। लगातार चौथे सत्र की बढ़त के दौरान सेंसेक्स में 521 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 160 अंक चढ़ गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों के ताजा पूंजी प्रवाह ने भी घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख को मजबूती दी। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 521.16 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,285.07 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 634.15 अंक यानी 0.81 प्रतिशत चढ़कर 78,398.06 अंक तक पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 159.50

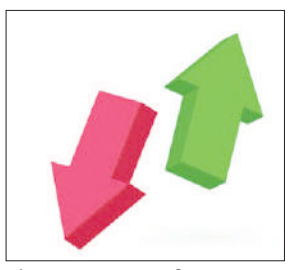

अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 24,430.35 अंक पर बंद हुआ। यह घरेलू शेयर बाजार में तेजी का लगातार चौथा सत्र रहा। इन चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स कुल 1,806.4 अंक यानी 2.36 प्रतिशत चढ़ चुका है, जबकि निफ्टी में 564.6 अंक यानी 2.36 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का शेयर सर्वाधिक 3.59 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति के शेयर भी बढ़त में रहे। दूसरी तरफ कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फिनसर्व और पावर ग्रिड के शेयर नुकसान में रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.82 प्रतिशत के नुकसान के साथ 71.53 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,355.33 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक संकेतकों के मिले-जुले रुख के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के साथ कारोबार हुआ, जिसमें कच्चे तेल की स्थिर कीमतों से समर्थन मिला।

सर्राफा की मांग घटने से सोना 150 रुपये टूटा, चांदी 5,000 रुपये लुढ़की

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतें 150 रुपये टूटकर 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। वहीं चांदी 5,000 रुपये के नुकसान में रही। वैश्विक स्तर पर सुस्ती के रुख और मजबूत डॉलर के कारण कारोबारियों ने कीमती धातुओं में अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे सर्राफा कीमतों में गिरावट आई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पिछले सत्र में 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी की चार दिन की तेजी थम गई और यह शुक्रवार के 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद भाव से 5,000 रुपये टूटकर 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

वर्ष 11, पूर्णांक 3645 अंक 111 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in